CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-31
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

व्यक्ति अपने विचारों से निर्मित प्राणी है,
वह जो सोचता है वही बन जाता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 07 मई 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

ऑपरेशन सिंदूर-भारत ने पहलगाम हमले का बदला लिया

पाकिस्तान पर 24 मिसाइल दागीं.... जैश के हेडक्वार्टर मस्जिद सुभान अल्लाह में मसूद अजहर के 10 रिश्तेदार मारे गए

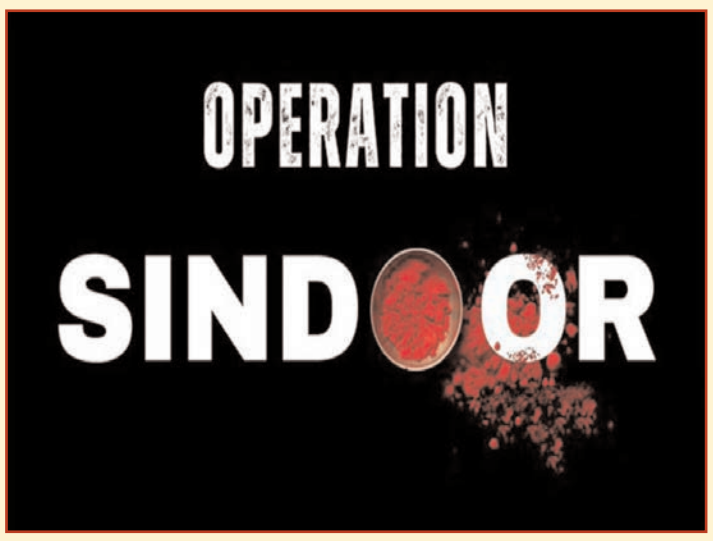

भारतीय सेना का खुलासा

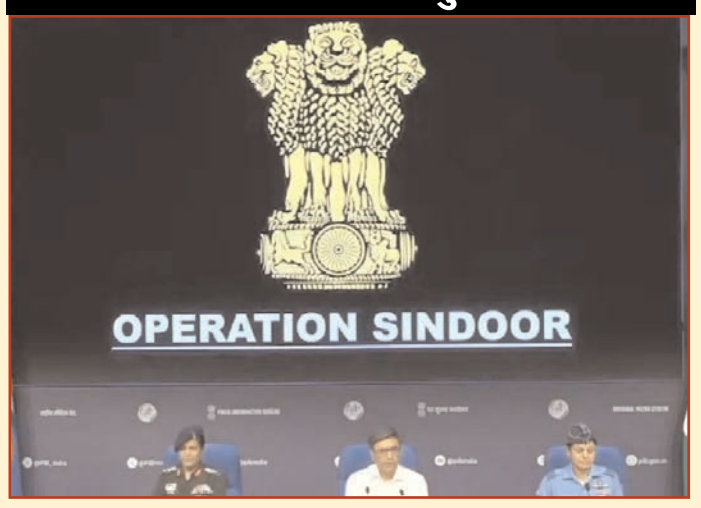

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार (6 मई) की रात 1.30 बजे पाकिस्तान और POK के भीतर एयर स्ट्राइक (हवाई हमला) बोला। भारतीय सेना ने 7 शहरों के 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। हमले में 90 से यादा आतंकी मारे गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना और विदेश मंत्रालय ने बुधवार (7 मई) को सुबह 10.30 बजे दिल्ली में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर की गई एयरस्ट्राइक की जानकारी साझा की।

PAK में 30 साल से आतंकवाद का निर्माण हो रहा

प्रेस ब्रीफिंग में आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले की क्लिप दिखाई। कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा-पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। 9 आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया गया। पाकिस्तान में पिछले तीन दशकों से आतंकवादी इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा था, जो पाकिस्तान और पीओके दोनों में फैला हुआ है।

मुजफ्फराबाद में लश्कर-ए-तैयबा का प्रशिक्षण सेंटर

कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा-मैं आपको बताना चाहूंगी कि पीओजेके में पहला लक्ष्य मुजफ्फराबाद में सवाई नाला कैंप था, जो नियंत्रण रेखा से 30 किलोमीटर दूर स्थित है। यह लश्कर-ए-तैयबा का प्रशिक्षण केंद्र था। 20 अक्टूबर 2024 को सोनमर्ग, 24 अक्टूबर 2024 को गुलमर्ग और 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए हमलों में शामिल आतंकवादियों ने यहीं से प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

25 मिनट चला ऑपरेशन

व्योमिका सिंह ने बताया कि रात 1 बजकर पांच मिनट से 1 बजकर 30 मिनट के बीच हमला किया गया। 9 आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाया गया और सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान से बचाने और किसी भी नागरिक की जान को नुकसान से बचाने के लिए स्थानों का चयन किया गया था।

पहलगाम हमले से आक्रोश है

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मीडिया को बताया-पहलगाम हमले से आक्रोश है। भारत सरकार ने पाकिस्तान के संबंधों को लेकर कुछ कदम उठाए। यह जरूरी है कि 22 अप्रैल के हमले के अपराधियों और योजनाकारों को न्याय के कठघरे में लाना जरूरी था। वो इनकार करने और आरोप लगाने में ही लिप्त रहे हैं। पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के बारे में हमें सूचना मिली कि और हमले कर सकते हैं। इन्हें रोकना जरूरी था। इन्हें रोकने के अधिकार का हमने इस्तेमाल किया है। यह कार्रवाई नपी-तुली और जिम्मेदारीपूर्ण है।

परिवार के सदस्यों को जानबूझकर आघात पहुंचाया

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा-पहलगाम में हमला अत्यंत बर्बरतापूर्ण था, जिसमें पीड़ितों को बहुत नजदीक से सिर में गोली मारकर और उनके परिवार के सामने मार दिया गया...परिवार के सदस्यों को जानबूझकर आघात पहुंचाया गया।

हमले ने आतंकवादियों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को उजागर किया

विक्रम मिस्री ने कहा-25 अप्रैल को मीडिया रिलीज से टीआरएफ का संदर्भ हटाने के लिए पाकिस्तान के दबाव को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। पहलगाम आतंकवादी हमले ने आतंकवादियों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को उजागर कर दिया है।

हमले में पाकिस्तान का हाथ

विक्रम मिस्री ने कहा कि रेजिस्टेंस फ्रंट नामक एक समूह ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली है। यह समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा है। इस हमले में पाकिस्तान का हाथ होने की बात सामने आई है।

बर्बरता का संदेश देने को कहा गया

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा-परिवार को धमकाया गया और उस बर्बरता का संदेश देने को कहा गया। चूंकि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन फिर से फल-फूल रहा था, इसलिए हमले का मुख्य उद्देश्य उसे नुकसान पहुंचाना था।

कॉन्फ्रेंस से पहले वीडियो प्ले किया

विदेश सचिव विक्रम मिस्री, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया ब्रीफिंग कर रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले एयर स्ट्राइक का वीडियो प्ले किया। PC से पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस बैठक में सुरक्षा मामलों और रक्षा नीति पर चर्चा हुई।

महिला अधिकारी होंगी शामिल

सेना की प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ-साथ दो महिला अधिकारी वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह और भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी शामिल होंगी।

अमित शाह ने CM अब्दुल्ला से की बात

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला से बात की। गृह मंत्री लगातार जम्मू-कश्मीर के एलजी और बीएसएफ के डीजी से संपर्क में हैं। उन्होंने डीजी बीएसएफ को सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए सभी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

राजनाथ सिंह को दी जानकारी

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान साउथ ब्लॉक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठकर कर जानकारी दे रहे हैं।

छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं

केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने ट्वीट कर कहा-पहलगाम पर भारत का पैगाम। छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की आत्मा पर हमला करने वालों को कड़ी सजा मिलेगी। भारत आतंकवाद को उसकी जड़ से उखाड़ फेकने में सक्षम भी है और संकल्प बद्ध भी है।

22 अप्रैल को हुई थी 26 की हत्या

जम्मू-कश्मीर में पहलगाम के बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ। आतंकियों ने 26 पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। आतंकियों ने पर्यटकों का धर्म पूछकर गोली मारी थी। पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी पहले द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी, हालांकि बाद में इससे मुकर गया था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव है।

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और कटनी में आज सिविल डिफेंस मॉकड्रिल

शाम 4 बजे से सायरन से खतरे की सूचना, ब्लैकआउट, प्रमुख इमारतों को सुरक्षित रखने और दुर्घटना की स्थिति में घायलों को सुरक्षित निकालने जैसी गतिविधियों का अभ्यास होगा

इंदौर/भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 7 मई यानी बुधवार को होने वाली नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल की तैयारियों को लेकर सभी कलेक्टरों और एसपी को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करने की घोषणा की। यह मॉक ड्रिल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के मद्देनजर प्रदेश के 5 शहरों इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और कटनी में आयोजित होगी। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कैबिनेट की बैठक से पहले अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए नागरिक सुरक्षा को मजबूत करना जरूरी है। बुधवार शाम 4 बजे से इन पांच शहरों में सायरन के माध्यम से खतरे की सूचना, ब्लैकआउट, प्रमुख इमारतों को सुरक्षित रखने और दुर्घटना की स्थिति में घायलों को सुरक्षित निकालने जैसी गतिविधियों का अभ्यास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि यह ड्रिल विभिन्न एजेंसियों की तैयारियों और तालमेल की जांच के लिए जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे मॉकड्रिल के दौरान प्रशासन का सहयोग करें और घबराएं नहीं। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मॉकड्रिल को गंभीरता से लिया जाए और आम नागरिकों को इसकी पूर्व जानकारी देकर भ्रम की स्थिति न बनने दी जाए। बता दें कि इस मॉकड्रिल का उद्देश्य नागरिकों और प्रशासन दोनों को आपातकालीन परिस्थितियों में तेज और समन्वित प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार करना है।

सीएम डॉ. यादव का ऐलान- मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के लिए नया भवन बनाया जाएगा

भोपाल। भोपाल में आयोजित वक्फ सुधार जन जागरण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के लिए नया भवन बनाया जाएगा, जिसका नाम भारत रत्न और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल केवल एक इमारत निर्माण नहीं, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण की दिशा में एक कदम है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी समुदायों के लिए समभाव और समर्पण की भावना से काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों का पारदर्शी प्रबंधन, जनकल्याण और समाज के जरूरतमंद तबकों को लाभ पहुंचाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल

सहित अनेक धार्मिक नेताओं, उलेमाओं और समाज के प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाने वाले मुस्लिम खिलाड़ी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनहितकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन और समावेशी विकास के लिए समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की यह पहल सिर्फ मुस्लिम समाज के प्रति सम्मान नहीं, बल्कि एक समावेशी दृष्टिकोण का उदाहरण है, जहां हर धर्म और समुदाय के योगदान को सराहा जा रहा है।

अबोध बच्ची के लिए 'संथारा' की अनुमति कैसे...? कलेक्टर को नोटिस

इंदौर। इंदौर में ब्रेन ट्यूमर से जूझ रही तीन वर्षीय लड़की को 'संथारा' व्रत ग्रहण कराए जाने के बाद उसका निधन हो गया था। इस मामले का संज्ञान लेते हुए मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने जिला प्रशासन को निष्पक्ष जांच का आदेश दिया है। संथारा, जैन धर्म की प्राचीन प्रथा है, जिसका पालन करने वाला व्यक्ति स्वेच्छा से अन्न-जल, दवाएं और अन्य सांसारिक वस्तुएं छोड़कर प्राण त्यागने का फैसला करता है। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य ओंकार सिंह ने इसको लेकर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इंदौर में तीन साल की बच्ची को 'संथारा' व्रत ग्रहण कराया गया था। इसके बाद उसके निधन की घटना का बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम 2005 के संबद्ध प्रावधानों के तहत संज्ञान लिया है। सिंह ने बताया कि यह संज्ञान मीडिया की खबरों के आधार पर लिया गया है। उन्होंने बताया कि आयोग ने इंदौर के कलेक्टर को नोटिस जारी करके कहा है कि मामले से जुड़े सभी पक्षों की निष्पक्ष जांच जल्द कराई जाए और नियमानुसार आवश्यक कदम उठाकर आयोग को इसकी रिपोर्ट भेजी जाए। सिंह ने कहा कि आयोग खासतौर पर यह जानना चाहता है कि तीन साल की अबोध बच्ची संथारा के लिए कैसे अपनी सहमति दे सकती है?

इस बच्ची के निधन के बाद कानूनी और सामाजिक हलकों में संथारा को लेकर फिर बहस शुरू हो गई है। इस बीच, इंदौर के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्तराजेश दंडोतिया ने बताया कि शहर में तीन वर्षीय बच्ची को संथारा व्रत ग्रहण कराए जाने के बाद उसके निधन के मामले में पुलिस को फिलहाल कोई भी शिकायत नहीं मिली है।

संथारा व्रत से प्राण त्यागने वाली लड़की के माता-पिता सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के पेशेवर हैं।

नगर निगम के अमले ने गिराई पांच मंजिला बिल्डिंग

इंदौर। इंदौर में नगर निगम की टीम ने मंगलवार को दो अलग-अलग जगह कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में नगर निगम का अमला और पुलिस बल मौजूद रहा। निगम को अवैध निर्माण की शिकायतें मिली थी। जिसके जांच करने के बाद निगम ने कार?वाई की। मंगलवार को पहली कार्रवाई जोन 7 के वार्ड 32 में प्लाट नंबर 238, स्कीम नंबर 78 में की गई। यहां पर भवन मालिक राजेश कुमार बनवाल ने 1800 स्क्वायर फीट में बिना निगम की स्वीकृति के पांच मंजिला

बिल्डिंग बना दी। निगम को इसकी शिकायत मिली तो इसकी जांच की गई। जिसके बाद मंगलवार को इसे तोड़ने की कार्रवाई की गई। निगम की टीम पुलिस अमले और 4 पोकलेन व 1 जेसीबी मशीन के साथ यहां पहुंची और बिल्डिंग के अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान प्रभारी अपर आयुक्त लता अग्रवाल, भवन अधिकारी अभिषेक सिंह, भवन निरीक्षक पीयूष मावी, रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे आदि मौजूद रहे। वहीं दूसरी कार्रवाई आरएनटी मार्ग पर की गई। जोन 11 के वार्ड 55 में 165 आरएनटी मार्ग पर एमओएस में अतिक्रमण कर व्यवसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थी। निगम ने लगभग तीन हजार स्क्वायर फीट अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। यहां पर भी नगर निगम की टीम के साथ पुलिस का बल तैनात रहा। कार्रवाई के दौरान भवन अधिकारी गीतेश तिवारी, भवन निरीक्षक जीशान चिश्ती, रिमूवल सुपरवाइजर शुभम गर्दे आदि मौजूद रहे।

प्रभारी अपर आयुक्त लता अग्रवाल ने बताया कि कमिश्नर के निर्देश पर दो जोन में कार्रवाई की है। पहले 7 नंबर जोन में कार्रवाई की। यहां 1800 स्क्वेयर फीट में ऋ+4 बनाया हुआ था, जबकि उन्हें जी+2 की ही परमिशन थी। बाकी की मंजिल को अवैध रूप से बनाया था। और नीचे के हिस्से में भी पूरा एमओएस कवर कर लिया था। शिकायत के बाद जांच की और कार्रवाई की। निगम की 100 लोगों की टीम इसमें लगी थी। इसके बाद जोन 11 में कार्रवाई की गई है।

तीसरे दिन भी तेज हवा के साथ बारिश कई इलाकों में जलजमाव, बिजली गुल

इंदौर। इंदौर में बारिश का दौर लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। मंगलवार दोपहर पहले 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। कई पेड़ों की टहनियां गिर गई। तीसरे दिन भी ज्यादातर क्षेत्रों की बिजली गुल हो गई। इसके बाद बिजली कड़की और बारिश का दौर शुरू हुआ, 20 मिनट तक तेज बारिश के बाद बूंदों की रफ्तार थोड़ी कम हुई, लेकिन तब तक शहर की कई सड़कों पर पानी भर गया था और ट्रैफिक थम गया था। इंदौर में बेमौसम बारिश ने तीसरे दिन भी जिम्मेदार विभागों की कलाई खोल दी। सड़कों पर जलजमाव हो गया और ट्रैफिक थम गया। लोग बारिश से बचने के लिए इधर-उधर भागे, लेकिन तेज हवा के साथ आ रही आड़ी-तिरछी पानी की बूंदों ने लोगों को भिगो दिया। तेज हवा के कारण तीसरे दिन भी पोस्टर फटने, पेड़ों की टहनियां गिरने जैसे हालात बने। शहर के छत्रीबाग, हेमू कालानी चौराहा, पलसीकरण क्षेत्र, अहिल्याश्रम, एमआर-10 क्षेत्र, खजराना चौराहा, विजय नगर चौराहा पर जलजमाव हो गया। इससे ट्रैफिक की गति भी बाधित हुई। बारिश खुलने के बाद जब वाहन एक साथ सड़कों पर निकले तो ट्रैफिक जाम हो गया।

इससे पहले सोमवार को भी रात 9:30 बजे अचानक 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली थी और फिर बारिश शुरू हो गई थी। तेज हवा के कारण सोमवार को भी कई पेड़ गिरे थे। पहले दस मिनट के लिए बारिश हुई, लेकिन रात दस बजे के बाद तेज बारिश का दौर शुरू हो गया और कई क्षेत्रों में पानी भर गया। इस कारण मार्गों पर ट्रैफिक जाम भी हुआ। सोमवार को शहर में अनेक जगह वैवाहिक

समारोह भी थे। लेकिन तेज हवा और बारिश ने मजा किरकिरा कर दिया। खुले में लगे टेंट-तंबू उड़ गए और मेहमानों को बारिश से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। सड़कों पर निकली बारात में शामिल बाराती भी भीगने से बचने के लिए इधर उधर भागते नजर आए।

मई में पहली बार इतनी बारिश

मई माह में पहले इतनी बारिश कभी नहीं हुई। अब तक शहर में पौने चार इंच बारिश हो चुकी है। मानसून आने के सवा माह पहले बारिश के तेवर देखकर शहरवासी भी हैरान है। मंगलवार को भी बारिश के कारण कई विवाह समारोह प्रभावित हुए। मंगलवार को भी आधा इंच से ज्यादा बारिश हुई। बारिश के कारण मई माह की तपन छूमंतर हो गई है। सोमवार रात हुई बारिश के कारण न्यूनतम तापमान 19 डिग्री रहा, जो सामान्य से पांच डिग्री कम था। इसी तरह दिन का तापमान भी 35 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से छह डिग्री कम था।

138 साल पहले मई में हुई थी सवा चार इंच बारिश

इंदौर में 138 साल पहले (1886) में मई में सवा चार इंच बारिश हुई थी। इसी साल (1886) में एक दिन में सबसे ज्यादा बारिश 29 मई को 4 इंच बारिश हुई थी। ऐसे ही मई 2023 में पूरे माह 3 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई थी जो 10 सालों में ज्यादा है लेकिन इस बार कई सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

एक साल में 11000 साइबर फ्रॉड, इंदौर पुलिस ने वापस दिलाए 14 करोड़

इंदौर। इंदौर में साइबर अपराध के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। लेकिन इंदौर क्राइम ब्रांच की सक्रियता और लोगों की जागरूकता से इसमें कमी आई है। क्राइम ब्रांच ने 100 से ज्यादा ठगों को पकड़ा है। पिछले साल क्राइम ब्रांच को 11 हजार शिकायतें मिली थीं। इनमें लगभग 75 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई थी। क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए 14 करोड़ 20 लाख रुपये वापस दिलाए हैं।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि लोग अब जागरूक हो रहे हैं और साइबर फ्रॉड के झांसे में कम आ रहे हैं। जो लोग समय पर शिकायत कर रहे हैं, उनके पैसे वापस मिल रहे हैं। लोग लालच में आकर अपने अकाउंट से करोड़ों का ट्रांजैक्शन कर रहे हैं। वे सिम और अकाउंट किराए पर दे रहे हैं। ऐसा करने पर उन्हें जेल भी हो सकती है।

फाइनेंशियल स्कैम 70 से 75 प्रतिशत

फाइनेंशियल फ्रॉड और सोशल मीडिया फ्रॉड। फाइनेंशियल फ्रॉड में पैसे का नुकसान होता है। सोशल मीडिया फ्रॉड में इमेज खराब करने की कोशिश की जाती है। क्राइम ब्रांच लोगों को जागरूक रहने और फ्रॉड से बचने के लिए कह रही है। फाइनेंशियल स्कैम लगभग 70 से 75 प्रतिशत होते हैं, जबकि सोशल मीडिया स्कैम लगभग 20 से 25 प्रतिशत होते हैं।

समय से करें शिकायत

इंदौर क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने साइबर अपराध के बारे में कई महत्वपूर्ण बातें बताईं। उन्होंने कहा कि लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। अब कई लोग साइबर फ्रॉड के चक्कर में नहीं फंस रहे हैं। अगर किसी के साथ धोखाधड़ी हो जाती है, और वे समय पर शिकायत करते हैं, तो उनके पैसे वापस मिल जाते हैं।

पिछले साल क्राइम ब्रांच में 11 हजार शिकायतें

पिछले साल क्राइम ब्रांच में 11 हजार शिकायतें आईं। इन शिकायतों में लगभग 75 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई थी। क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए 14 करोड़ 20 लाख रुपये वापस कराए। साथ ही, 100 से ज्यादा फ्रॉड करने वालों को पकड़ा गया। इनमें ट्रेड एजेंट, सिम होल्डर और अकाउंट होल्डर शामिल हैं।

महापौर मेगा रोजगार मेला 11 को सीएम करेंगे मेले का शुभारंभ

इंदौर। इंदौर में 11 मई को महापौर मेगा रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। ये आयोजन दशहरा मैदान पर होगा। सीएम डॉ.मोहन यादव इस मेले का शुभारंभ करेंगे। यह आयोजन मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड के तकनीकी सहयोग से पूरा होगा। मेला का संचालन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। मेले का मुख्य उद्देश्य युवाओं को उनके कौशल, योग्यता और रुचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें। मेले की बात करें तो इसमें 100 से ज्यादा राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भागीदारी होगी। आई

टी, बीपीओ, बैंकिंग, मैन्युफैक्चरिंग, हॉस्पिटैलिटी, लॉजिस्टिक्स, रिटेल और टेलीकॉम जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़ी कंपनियां इसमें हिस्सा लेंगी।

10 हजार से ज्यादा खाली पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें फ्रेशर्स और अनुभवी दोनों के लिए रोजगार के अवसर मिलेंगे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि 100 से ज्यादा कंपनियों की रुचि के साथ 10 हजार से ज्यादा अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे। इसका शुभारंभ सीएम डॉ.मोहन यादव द्वारा किया जाएगा। 11 मई को दशहरा मैदान पर ये रोजगार मेला आयोजित होगा। इसमें इंदौर और इंदौर के बाहर की बड़ी कंपनियों के साथ इंदौर के आसपास के नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने वाले है। मेरे अनुमान से रोजगार विभाग जरूर अलग-अलग प्रयास करता है, प्राइवेट इंडस्ट्रीज भी प्रयास करती है, लेकिन शासन के सभी विभागों को मिलाकर संयुक्त रूप से मुझे लगता है कि हम 10 हजार रोजगार के अवसर एक साथ जनभागीदारी से कंपनी पार्टिसिपेंट्स के साथ करा पाए तो मुझे लगता है कि यह बड़ा पहला मेला होगा।

मेले में आ सकती हैं ये कंपनियां

मेले में आईटी सेक्टर की इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो, एचसीएल। टेलीकॉम सेक्टर की जियो, एयरटेल, वीआई। बैंकिंग/फाइनेंस सेक्टर की एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस। ई-कॉमर्स/लॉजिस्टिक्स सेक्टर की अमेजन, फ्लिपकार्ट, डेल्हीवरी। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की होटल ओबेरॉय, ताज ग्रुप, डोमिनोज आदि कंपनियां आएंगी

हर एक कंपनी के लिए अलग बूथ की व्यवस्था

ऑन साइट इंटरव्यू और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन व सिलेक्शन प्रोसेस मेला स्थल पर ही आयोजित की जाएगी। हर एक कंपनी के लिए अलग बूथ की व्यवस्था यहां रहेगी। यहां आने वाले युवा सीधे कंपनी के प्रतिनिधि से बात कर सकेंगे। इसके अलावा करियर काउंसलिंग और मार्गदर्शन सत्र भी होगा, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा रेज्यूमे, इंटरव्यू और करियर संबंधी सलाह भी दी जाएगी। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों और युवाओं के साथ बातचीत करने का मौका मिलेगा। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आने-जाने के लिए विशेष व्यवस्था भी रखी गई है। दिव्यांगजन के लिए विशेष सहायता, पेयजल, विश्राम, स्वास्थ्य सहायता और महिला डेस्क भी यहां उपलब्ध रहेगी।

आवश्यक डॉक्यूमेंट्स और पात्रता

इसके लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना चाहिए। शैक्षणिक योग्यता में 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन। डॉक्यूमेंट्स की बात करें तो रेज्यूमे की फोटोकॉपी, कम से कम चार पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड या पैन कार्ड, शैक्षणिक एवं अनुभव सर्टिफिकेट लाना होगा। मेले में भाग लेने के लिए युवाओं को निःशुल्क रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा।

तलाक से दुखी युवक ने लगा ली फांसी, किया था प्रेम विवाह

इंदौर। इंदौर के तुकोगंज क्षेत्र में एक युवक ने तलाक से दुखी होकर फांसी लगा ली। युवक ने जिस युवती से कुछ माह पहले प्रेम विवाह किया था, उससे विवाद शुरू हो गए। दोनों ने अलग होने का फैसला लिया, लेकिन इस बार से युवक राजकुमार पिता गुलशन पाटिल इतना तनाव में आ गया है कि उसने अपनी जिंदगी खत्म कर ली। उसने दो बार पहले भी आत्महत्या करने की कोशिश की थी।

राजकुमार एक दफ्तर में काम करता था। वहां उसकी पहचान मुस्कान नामक युवती से हुई थी। दोनों के बीच दोस्ती हुई और शादी करने का फैसला लिया। बताते है कि मुस्कान को गंभीर बीमारी थी, इस कारण राजकुमार के परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। राजकुमार ने परिवार वालों को बताए बगैर प्रेम विवाह कर लिया, लेकिन शादी के कुछ दिनों बाद ही दोनों के बीच विवाद होने लगे। दो माह में राजकुमार ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की। जब यह बात परिजनों को पता चली तो उन्होंने दोनो के बीच तलाक करवा दिया। इसके बाद से वह तनाव में था और उसने जान दे दी। वह परिवार का इकलौता लड़का था।

राजकुमार के माता-पिता एक समारोह में खरगोन गए थे। वह अपनी बहन और जीजाजी के साथ था। जीजा रवि ने बताया कि रात को हमने साथ में खाना खाया। उसकी बातों से नहीं लगा कि वह गंभीर तनाव में है। कुछ देर बाद बिजली गुल हो गई। वह उपर के रुम में सोने का बोलकर चला गया। एक घंटे बाद हम कमरे में पहुंचे तो वह फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। राजकुमार को फांसी के फंदे से उतारा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कमरे की तलाशी, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।

20 मई को राजवाड़ा में होगी मोहन सरकार की कैबिनेट बैठक

इंदौर। देवी अहिल्या की 300 वीं जयंती के मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 20 मई को इंदौर में कैबिनेट बैठक रखने की घोषणा की है। इसकी तैयारियां भी शुरू हो गई है। यह बैठक शहर के राजवाड़ा में होगी। राजवाड़ा में ही होलकर परिवार का राज दरबार लगता था। इसके लिए राजवाड़ा की सफाई, रंग-रोगन शुरू हो गया है। उधर महाराष्ट्र सरकार भी देवी अहिल्या के जन्म स्थान चौढ़ी गांव में कैबिनेट बैठक करने जा रही है। चोढ़ी में देवी अहिल्या का बढ़ा स्मारक बना है। वहां डोम लगाने का काम शुरू हो रहा है। मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार की बैठक वहां होने जा रही है। जिमसें महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे। इंदौर के राजवाड़ा पर बैठक भले ही होगी, लेकिन अफसरों को कोशिश रहेगी कि लोगों को परेशानी न हो। राजवाड़ा के आसपास का ट्रैफिक नहीं रोका जाएगा। राजवाड़ा के आसपास पार्किंग की ज्यादा जगह नहीं है। इस कारण यह कोशिश की जा रही है कि मंत्रीगण एक बस में सवार होकर राजवाड़ा पहुंचे। दो माह पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव ने महेश्वर में भी कैबिनेट बैठक ली थी। जिसमे महेश्वर सहित 17 धार्मिक नगरों में शराब की दुकान नहीं खोले जाने का फैसला लिया था।

नई सेंट्रल जेल का दूसरे चरण का निर्माण कार्य शुरू

इंदौर। सांवेर रोड स्थित नई सेंट्रल जेल का निर्माण बीते कई वर्षों से अधूरा पड़ा था, जिसे पूरा करने के लिए शासन ने 217 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की। लोक निर्माण विभाग ने टेंडर जारी कर इस परियोजना का कार्य बीसीसी रियल इन्फ्रा कंपनी को सौंपा। इसके तहत अब दूसरे चरण का निर्माण कार्य चल रहा है। इस नई जेल में 4,000 से अधिक कैदियों के लिए व्यवस्था होगी और यहां 60 बिस्तरों वाला अत्याधुनिक अस्पताल भी बनेगा, जिसमें कैदियों को आपातकालीन एवं आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।130 साल पुराने अंग्रेजों के बनाए जेल कानूनों में अब संशोधन की तैयारी की जा रही है। मोहन सरकार इस दिशा में कदम बढ़ा रही है और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक नया जेल अधिनियम तैयार किया जा रहा है। यह अधिनियम कैबिनेट की मंजूरी के बाद नोटिफाई किया जाएगा। हालांकि पूर्व में जारी नोटिफिकेशन पर अमल नहीं हो पाया है। इंदौर की वर्तमान सेंट्रल जेल शहर के मध्य और घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित है, जिससे इसकी शिफ्टिंग की योजना बनी और सांवेर रोड पर 50 एकड़ में नई जेल का निर्माण प्रारंभ हुआ।

नई जेल में थर्ड जेंडर बैरक

पहले हाउसिंग बोर्ड को यह परियोजना सौंपी गई थी, लेकिन बाद में यह निजी कंपनी को दे दी गई। विवादों के बाद अब शेष कार्य लोक निर्माण विभाग से करवाया जा रहा है। हाल ही में 168 करोड़ रुपए का टेंडर शेष निर्माण कार्यों के लिए पास हुआ। दूसरे चरण के

अंतर्गत प्रशासनिक ब्लॉक, क्वार्टर और अन्य बैरकों का निर्माण हो रहा है। 4,000 से अधिक कैदियों की क्षमता वाली इस जेल में थर्ड जेंडर के लिए भी अलग बैरक बनाई जा रही है। नया जेल अधिनियम, जो 1 जनवरी से लागू होना था, अब सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार संशोधित हो रहा है। इसी के अंतर्गत जेल विभाग का नाम बंदी गृह एवं सुधारात्मक विभाग और जेल को सुधारात्मक गृह के रूप में जाना जाएगा।

वीडियो कोर्ट की सुविधा भी

कैदियों को खुली जेल व्यवस्था, चिकित्सा, भोजन, नाश्ता, चाय, पानी जैसी सुविधाओं में सुधार होगा। महिला कैदियों को शैम्पू, हेयर रिमूव्हल क्रीम जैसी जरूरतें भी मुहैया कराई जाएंगी। शासन ने प्रिजन एक्ट 1884 में बदलाव करते हुए कैदियों के लिए पौष्टिक आहार जैसे दूध, सलाद, चायपत्ती, तेल आदि की मात्रा बढ़ा दी है। नई जेलों में न्यायाधीशों के लिए चैम्बर भी बनाए जा रहे हैं, ताकि विशेष परिस्थितियों में जेल में ही सुनवाई हो सके। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई की प्रक्रिया शुरू भी कर दी गई है। 13 अगस्त को मध्यप्रदेश सुधारात्मक सेवाएं एवं बंदी गृह अधिनियम 2024 नाम से नोटिफिकेशन जारी हुआ, जिसे गांधी जयंती से लागू किया जाना था, पर अधिनियम की अंग्रेजी प्रति न बनने और अन्य त्रुटियों के कारण इसे लागू नहीं किया जा सका। अब सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के अनुसार जरूरी संशोधन किए जा रहे हैं और इसके बाद नया जेल अधिनियम प्रभावी होगा, जिसमें जेलों को सुधार संस्थान और जेल अधिकारियों को सुधार सेवा अधिकारी के रूप में जाना जाएगा। साथ ही खतरनाक कैदियों के लिए अलग बैरक और अधिक स्थान की व्यवस्था भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिए कई फैसले

पचमढ़ी को मिली विकास की राह, नक्सल इलाकों में बढ़ेगी निगरानी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक मंत्रालय में आयोजित हुई। बैठक में कई प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इसमें राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार पचमढ़ी नगर के 395.931 हेक्टेयर क्षेत्र को अभयारण्य की सीमा से बाहर करते हुए नजूल भूमि घोषित कर दिया है। यह क्षेत्र वर्तमान में साडा (विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण) के प्रशासनिक नियंत्रण में है। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के 12 अगस्त 2014 के आदेश के आधार पर केंद्रीय साधिकार समिति की अनुशंसा पर लिया गया है। इससे क्षेत्र में जमीन की खरीद-फरोख्त और विकास कार्य अब संभव हो सकेंगे। पूर्व में भी 2017 में राज्य सरकार ने पचमढ़ी अभयारण्य की परिधि पर स्थित 11 ग्रामों को बाहर कर 28 अन्य गांवों को इनक्लोजर (संरक्षित क्षेत्र) के रूप में चिन्हित किया था। इस निर्णय के बाद अब सरकार पचमढ़ी को टूरिस्ट प्लेस के रूप में

विकसित करने और पर्यटकों के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं बढ़ाने के लिए विकसित कर सकेंगी। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

नक्सल क्षेत्रों में तैनात होंगे 850 कार्यकर्ता

बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जैसे नक्सल प्रभावित जिलों में सरकार 850 स्थानीय कार्यकर्ताओं की एक वर्ष के लिए नियुक्ति करेगी। ये कार्यकर्ता गांवों में नक्सल गतिविधियों पर नजर रखेंगे और प्रशासन को समय पर जानकारी देंगे। प्रत्येक कार्यकर्ता को 25,000 मासिक मानदेय दिया जाएगा, जिससे सरकार पर सालाना लगभग 25 करोड़ का खर्च आएगा। यह नियुक्ति एक साल के लिए की जाएगी। इसमें शामिल होने की योग्यता के नियम अलग से जारी किए जाएंगे।

दिव्यांग खिलाड़ियों को मिलेगा सम्मान

पेरिस में दिव्यांग ओलंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मध्यप्रदेश के ब्लाइंड जूडो खिलाड़ी कपिल परमार और शूटिंग में रूबिना फ्रांसिस को एक-एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इससे पहले दोनों को 50-50 लाख दिए जा चुके थे। शेष 50 लाख की राशि अब स्वीकृत की गई है।

बता दें मुख्यमंत्री द्वारा पैरा-ओलम्पिक खिलाडी सुश्री रूबिना फ्रांसिस और श्री कपिल परमार को पैरा-ओलम्पिक खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर 1 करोड़ रूपये की सम्मान राशि देने की घोषणा की थी। पेरिस, फ्रांस में आयोजित पैरा ओलम्पिक खेल, 28 अगस्त से 8 सितंबर 2024 में म.प्र. की खिलाडी सुश्री रूबिना फ्रांसिस ने शूटिंग खेल में कांस्य पदक एवं श्री कपिल परमार ने ब्लाइंड जुडो खेल में कांस्य पदक अर्जित किया था।

पेंशन प्रकरणों के लिए बनेगा राज्य स्तरीय केंद्रीकृत सेल

पेंशन प्रकरणों के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल के गठन को स्वीकृति दी गई। यह सेल पेंशन मामलों की पूरी प्रक्रिया के संचालन और समाधान के लिए अधिकृत रहेगा। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि संभागीय एवं जिला स्तर पर स्थित वर्तमान पेंशन कार्यालयों को अस्थायी रूप से दो वर्षों के लिए पेंशन समाधान केंद्र के रूप में सीमित संरचना के साथ संचालित किया जाएगा। इस परिवर्तन के तहत पदों का युक्तियुक्तकरण भी किया जाएगा। इस पूरी व्यवस्था से राज्य शासन पर लगभग 5 करोड़ रुपए का अनावर्ती व्यय भार आएगा।

नए जिलों में खुलेंगे आपूर्ति व नाप-तौल कार्यालय

कैबिनेट ने मऊगंज, मैहर और पांढुर्णा जैसे नवगठित जिलों में जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की है। साथ ही निवाड़ी, मऊगंज, मैहर और पांढुर्णा में नाप-तौल कार्यालय खोलने का भी निर्णय लिया गया है। इन कार्यालयों के संचालन के लिए कुल 29 पदों की स्वीकृति दी गई है, जिनमें 16 पद जिला आपूर्ति कार्यालयों और 13 पद नाप-तौल कार्यालयों से संबंधित हैं।

जिला आपूर्ति कार्यालयों के लिए स्वीकृत पद

जिला आपूर्ति अधिकारी - 1-1 पद (प्रत्येक जिले में)

सहायक आपूर्ति अधिकारी - 1-1 पद

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी - मऊगंज में 2 पद, मैहर और पांढुर्णा में 1-1 पद

लेखापाल - 1-1 पद

भृत्य - 1-1 पद

नाप-तौल कार्यालयों के लिए स्वीकृत पद

निरीक्षक - 1-1 पद (चारों जिलों में)

सहायक ग्रेड-3 - 1-1 पद

श्रम सहायक - मऊगंज में 2 पद, शेष जिलों में 1-1 पद

भोपाल में मुस्लिम धर्मगुरुओं का बयान

जेहाद अच्छाई के लिए संघर्ष, बलात्कारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। जहांगीराबाद स्थित इंडियन कॉफी हाउस में सोमवार को जागरूक मुस्लिम मंच द्वारा एक संवेदनशील विषय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस्लाम में बलात्कार- सज़ा या सवाब? विषय पर आयोजित इस संवाद का उद्देश्य इस्लाम को बलात्कार जैसे जघन्य अपराध से जोड़ने के प्रयासों का खंडन करना और क़ुरान व हदीस के हवाले से सच्चाई को सामने लाना था। कार्यक्रम में भोपाल सहित आसपास के मुस्लिम धर्मगुरु, कानूनी विशेषज्ञ, महिला कार्यकर्ता और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

नायब शहर काजी मौलाना अली क़दर ने कहा कि जेहाद का अर्थ केवल युद्ध नहीं, बल्कि आत्मसंयम, अन्याय के खिलाफ संघर्ष और बुराइयों से लड़ने की प्रक्रिया है। उन्होंने 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' जैसे शब्दों को पूरी तरह से गढ़ा हुआ और इस्लाम से असंबंधित बताया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लालच या मोहब्बत के कारण इस्लाम धर्म अपनाने वालों को इस्लाम में मान्यता नहीं दी जाती। इस्लाम केवल सच्ची नीयत और ईमानदारी से अपनाया जाना चाहिए। मौलाना अली क़दर ने मीडिया से सवाल किया कि क्या किसी मदरसे या मस्जिद से हिंदू लड़कियों को बहलाने के निर्देश दिए गए हैं? उन्होंने कहा कि अपराध को धर्म के चश्मे से नहीं, इंसानियत के नजरिए से देखा जाना चाहिए। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के अध्यक्ष दानिश खान ने कहा कि संवाद का उद्देश्य समाज में फैल रही गलतफहमियों को दूर करना है, न कि किसी के खिलाफ बोलना।

एडवोकेट आबिद मोहम्मद खान ने स्पष्ट किया कि शरीअत में बलात्कार के लिए कड़ी सजा है और ऐसा व्यक्ति इस्लाम का प्रतिनिधि नहीं हो सकता। मुस्लिम महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सैयद मुनव्वर अली ने कहा कि जिसने किसी को किसी भी रूप में धोखा दिया, वह इस्लाम की राह पर नहीं है। उन्होंने अन्य मामलों का हवाला देते हुए कहा कि मुस्लिम समाज ने कभी अपराधियों का महिमामंडन नहीं किया।

इससे पहले शहर काजी मुफ्ती मुश्ताक अली नदवी ने भी हिंदू छात्राओं के साथ रेप और ब्लैकमेलिंग के मामले में तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा कि इस्लाम में ऐसे अपराधों के लिए सख्त सजाएं हैं। शरीयत के अनुसार, शादीशुदा दोषी को पत्थर मारकर मौत दी जाती है और अविवाहित को 100 कोड़े मारे जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे दरिंदों पर रहम नहीं, सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

जुबेर मौलाना गैंग ने हिस्ट्री शीटर बदमाश के ठिकानों पर दागी गोलियां

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के कुख्यात बदमाश जुबेर मौलाना और उसके गुर्गों ने मंगलवार की सुबह जमकर आतंक मचाया। मंगलवारा के हिस्ट्री शीटर बदमाश साद खान दो ठिकानों पर आरोपियों ने फायरिंग कर वाहनों में तोड़फोड़ कर दी। दोनों ही थानों की पुलिस आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर रही है। खास बात यह है कि जुबेर 6 महीनों से भोपाल पुलिस के रिकार्ड के मुताबिक फरार चल रहा है। फरारी में रहते हुए उसने दोनों वारदातों को अंजाम दिया है। अब पुलिस आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के दावे कर रही है। एसीपी राकेश बघेल ने बताया कि मंगलवारा थाने का हिस्ट्री शीटर बदमाश साद खान है। कुछ महीने पहले ही जेल से छूटा है। उसका पुराना विवाद जुबेर मौलाना से चल रहा है। साद का पुश्तैनी मकान छावनी में है। यहां उसकी मां व अन्य रिश्तेदार रहते हैं। जबकि साद फिलहाल ऐशबाग इलाके में रह रहा है।

पुरानी रंजिश को लेकर सोमवार की रात साद और जुबेर में सोशल मीडिया पर बहस हुई। दोनों ने एक दूसरे को धमकी भरे मैसेज भेजे और ऑडियो रिकार्ड कर भेज दीं। आरोपी जुबेर ने ऑडियो सेंड करने के बाद सुबह करीब 5 बजे छावनी में साद के पुश्तैनी मकान के बाहर फायरिंग कर दी। वहां खड़े आधा दर्जन से अधिक वाहनों में भी तोड़फोड़ कर दी। इलाके में दहशत फैलाने के बाद आरोपी फरार हो गए। बताया जा रहा है कि जुबेर और उसके गुर्गे तीन मोपेड पर सवार होकर आए थे। सभी चाहरों पर कपड़ा बांधे हुए थे।

टीला जमालपुरा में भी की वारदात

छावनी के बाद जुबेर और गुर्गे टीला जमालपुरा के इंद्रा नगर में पहुंचे। यहां साद का साला फैसल रहता है। बदमाशों ने फैसल के घर के बाहर फायरिंग की। इस समय सुबह के 6 बज चुके थे। यहां भी आरोपी दहशत पैदा कर फरार हो गए। मंगलवारा और टीला जमालपुरा पुलिस ने दो अलग-अलग केस दर्ज किए हैं। दोनों ही मामलों में आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सीएम डॉ. यादव बोले- कोई भी किसान स्लॉट बुकिंग से वंचित न रहे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रबी सीजन में चल रहे गेहूं उपार्जन कार्य की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कोई भी किसान स्लॉट बुकिंग से वंचित न रहे और जिन किसानों ने बुकिंग कर ली है, उनका गेहूं हर हाल में उपार्जित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए और उपार्जन केंद्रों पर किसी भी तरह की अनियमितता को कदापि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 8.87 लाख से अधिक पंजीकृत किसानों से 76.60 लाख मैट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। इन किसानों को 5 मई तक 16,472 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। डॉ. यादव ने कहा कि हम इस वर्ष 81 लाख मैट्रिक टन गेहूं उपार्जन के लक्ष्य की ओर तेज़ी से बढ़ रहे हैं। यह प्रदेश के किसानों की मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम है, जिस पर पूरे मध्यप्रदेश को गर्व है। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में आयोजित इस समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2025-26 में 34.93 लाख एकड़ रकबे में गेहूं की बुआई की गई, जिसके लिए 15.44 लाख किसानों ने पंजीयन कराया। प्रदेशभर में 3,620 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं। जिन किसानों की स्लॉट बुकिंग अभी शेष है, उनके लिए पोर्टल पर अतिरिक्त सुविधा प्रदान की गई है। इन किसानों से गेहूं का उपार्जन 9 मई तक किया जाएगा।

ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के लिए एमओयू 10 मई को होगा

भोपाल आएंगे सीएम देवेंद्र फडणवीस

भोपाल। मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के बीच जल्द ही एक बड़ी परियोजना की शुरुआत होने जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जानकारी दी है कि 10 मई को ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना को लेकर दोनों राज्यों के बीच एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर होंगे। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी भोपाल में मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह मध्यप्रदेश की तीसरी नदी जोड़ो परियोजना होगी, जिसे महाराष्ट्र के सहयोग से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की परिकल्पना को साकार करते हुए, मध्यप्रदेश नदी जोड़ो परियोजनाओं में अग्रणी राज्य बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र दोनों में सिंचाई क्षेत्र का विस्तार होगा और पेयजल की उपलब्धता भी बेहतर होगी। इसके साथ ही गुजरात राज्य को भी इसका लाभ मिलेगा।

परियोजना का उद्देश्य और लाभ

ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के कृषि क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा प्रदान करना और भूजल स्तर को पुनर्भरण करना है। इस परियोजना के तहत कुल 31.13 टीएमसी जल का उपयोग किया जाएगा, जिसमें से 11.76 टीएमसी जल मध्यप्रदेश और 19.36 टीएमसी जल महाराष्ट्र को आवंटित किया जाएगा। इससे मध्यप्रदेश के 1,23,082 हेक्टेयर और महाराष्ट्र के 2,34,706 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। मध्यप्रदेश के बुरहानपुर और खंडवा जिलों की बुरहानपुर, नेपानगर, खकनार और खालवा तहसीलें इस परियोजना से लाभान्वित होंगी।

परियोजना में चार जलसंरचनाएं प्रस्तावित-

- खरिया गुटीघाट लो डायवर्जन वियर- यह वियर मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित होगा, जिसकी जल भराव क्षमता 8.31 टीएमसी होगी।

- दाहिनी तट नहर- यह नहर 221 किलोमीटर लंबी होगी, जिसमें से 110 किलोमीटर मध्यप्रदेश में स्थित होगा। इस नहर से मध्यप्रदेश के 55,089 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी।

- बाईं तट नहर- यह नहर 135.64 किलोमीटर लंबी होगी, जिसमें से 100.42 किलोमीटर मध्यप्रदेश में स्थित होगा। इस नहर से मध्यप्रदेश के 44,993 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी।

- बाईं तट नहर द्वितीय चरण - यह नहर 123.97 किलोमीटर लंबी होगी, जिसमें से 14 किलोमीटर लंबी सुरंग भी शामिल होगी। इस नहर से महाराष्ट्र के 80,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी।

एम्स में 149 बच्चों को कराया गया स्वर्ण प्राशन, 16 संस्कारों में है शामिल

भोपाल। लंबे समय से बच्चों का स्वर्ण प्राशन दादा-दादी द्वारा किया जाता रहा है, जो अब कुछ ही परिवारों में सीमित रह गया है। इसके कारण कई बच्चे इस महत्वपूर्ण संस्कार से वंचित होते जा रहे हैं। इस परंपरा को बनाए रखने के लिए एम्स के आयुष विभाग द्वारा हर माह पुष्य नक्षत्र के दिन स्वर्ण प्राशन कराया जाता है। मंगलवार को एम्स में 149 बच्चों को स्वर्ण भस्म दी गई, जिनमें से 65 बच्चे नए थे। स्वर्ण प्राशन को सनातन धर्म के 16 संस्कारों में से एक के रूप में माना जाता है। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजना पाण्डेय ने एक से 16 साल तक के बच्चों को स्वर्ण प्राशन दिया। उन्होंने बताया कि इसका प्रयोग आयुर्वेद में बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, शारीरिक और मानसिक विकास के लिए किया जाता है। इस दौरान बच्चों की लंबाई, वजन आदि का मापन भी किया जाता है। बच्चों में स्वर्ण प्राशन को प्रारंभिक अवस्था में ही अपनाना चाहिए। यह औषधि मधु, गाय के घी या औषधीय घृत (ब्राह्मी घृत) के साथ मिलाकर सोने के भस्म से तैयार की जाता है। इस औषधि को बनाने में कम से कम आठ- दस घंटे लगते हैं। यह औषधि 24 कैरेट सोने से बनाई जाती है। जन्म के बाद जितना जल्दी करा लिया जाए, उतना अच्छा होता है। इसके लिए पुष्य नक्षत्र सबसे अच्छा माना गया है।

हिंदू छात्राओं से रेप-ब्लैकमेलिंग के आरोपियों को जेल

क्लब-90 रेस्टोरेंट संचालक पर कार्रवाई नहीं; महिला आयोग ने पुलिस से मांगा जवाब

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल में हिंदू छात्राओं से रेप और ब्लैकमेलिंग गैंग के सरगना फरहान खान उसके साथी नबील और अली को अशोका गार्डन पुलिस ने मंगलवार को रिमांड पूरी होने के बाद कोर्ट में पेश किया। तीनों को जेल भेज दिया गया है। साहिल को जहांगीराबाद पुलिस ने 8 मई तक रिमांड पर ले लिया है। इधर, राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम लगातार सभी पक्षों से संपर्क कर केस की जांच में जुटी है। आयोग की जांच में पुलिस जांच की खामियां उजागर हुई हैं। आरोपी संगठित गिरोह के तौर पर काम कर रहे थे। हाई प्रोफाइल लाइफ स्टाइल था। महंगी गाड़ियों, गैजेट्स का इस्तेमाल करते थे। इनको फंडिंग करने वालों का पता पुलिस अबतक नहीं लगा सकी है। गिरोह में कुल कितने सदस्य थे, इस बात का पता भी पुलिस नहीं लगा पाई है।

एक पीड़िता का अबॉर्शन कराने की बात सामने आई

जांच में आरोपियों द्वारा एक पीड़िता का अबॉर्शन कराए जाने की बात भी सामने आई है। गर्भपात करने वालों पर भी कार्रवाई तय नहीं की गई है। क्लब-90 रेस्टोरेंट में छात्राओं के साथ गलत काम हुआ। प्राइवेसी के नाम पर वहां रूम

और केबिन बनाए गए थे। यह आरोपियों का परमानेंट ठिकाना था, इसका खुलासा होने के बाद भी पुलिस ने संचालक के खिलाफ कार्रवाई तय क्यों नहीं की? इस बात को लेकर आयोग ने पुलिस से स्पष्टीकरण मांगा है। हालांकि आयोग की आपत्ति के बाद सोमवार की शाम प्रशासन ने क्लब-90 रेस्टोरेंट के अवैध हिस्से को तोड़ दिया है।

कलेक्टर बोले- क्लब-90 की लीज निरस्त की

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि नगर निगम ने लीज निरस्त कर इसे अपने कब्जे में ले लिया है। आरोपी फरहान और उसके साथी कॉलेज छात्राओं को इसी रेस्टोरेंट में ले जाने के बाद उनके साथ गलत काम करते थे। दूसरी ओर, आरोपियों को फंडिंग करने वालों की जांच भी शुरू कर दी गई है। सोमवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की तीन सदस्यीय टीम पीड़िताओं के कॉलेज के अलावा यहां भी पहुंची थी। शाम को राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने 3 पीड़िताओं के बयान दर्ज किए। पीड़िताओं को होटल रेडिसन बुलाया गया था। अबतक 4 पीड़िताओं के बयान दर्ज किए जा चुके हैं।

सम्पादकीय

एनएसए और सेना प्रमुखों की पीएम के साथ मुलाकातें सामान्य नहीं

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी जारी है। इस बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल मंगलवार को फिर पीएम नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे। पिछले 24 घंटों में यह दूसरी बार है जब प्रधानमंत्री ने अजीत डोभाल से मुलाकात की। यह मुलाकात राज्य सरकारों द्वारा मॉक ड्रिल आयोजित करने से एक दिन पहले हुई है। केंद्र सरकार आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की रणनीति तैयार करने में जुटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस हमले के बाद से लगातार उच्च-स्तरीय बैठकों का सिलसिला जारी है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी जारी है। इस बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल मंगलवार को फिर पीएम नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे। पिछले 24 घंटों में यह दूसरी बार है जब प्रधानमंत्री ने अजीत डोभाल से मुलाकात की। यह मुलाकात राज्य सरकारों द्वारा मॉक ड्रिल आयोजित करने से एक दिन पहले हुई है। केंद्र सरकार आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की रणनीति तैयार करने में जुटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस हमले के बाद से लगातार उच्च-स्तरीय बैठकों का सिलसिला जारी है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी और वायुसेना प्रमुख चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह की मुलाकात हो चुकी है। इससे पहले नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी प्रधानमंत्री से मिले थे। सेना प्रमुखों की प्रधानमंत्री के साथ ये मुलाकातें सामान्य नहीं हैं। प्रधानमंत्री इन मुलाकातों से पहले 29 अप्रैल को रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेनाओं के प्रमुखों की एक बैठक कर चुके थे। उसी में सेनाओं को प्रहार का तरीका, लक्ष्य, जगह और समय तय करने की खुली छूट दी गई थी। फिर अलग से ये मुलाकातें क्यों की गईं? बेशक सेनाओं को खुली छूट है, लेकिन वे अलग-अलग प्रधानमंत्री को तो ब्रीफ करेंगी कि यदि युद्ध की नौबत आई, तो उनकी क्या तैयारियां हैं? वायुसेना प्रमुख ने हवाई आक्रमण का खुलासा किया होगा! हाल ही में उप्र के शाहजहांपुर में गगा एक्सप्रेस वे पर बनाई गई विशेष हवाई पट्टी पर राफेल, सुखोई, मिग-29, एएन-32, जगुआर, मिराज सरीखे लड़ाकू विमानों ने टच एंड गो का प्रदर्शन किया और रात्रि में लैंडिंग कर अपने युद्धाभ्यास को सार्थक किया। अर्थात हमारे लड़ाकू विमान किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार हैं। नौसेना अध्यक्ष ने अरब सागर की हलचलों से प्रधानमंत्री मोदी को ब्रीफ किया होगा! नौसेना ने विशालकाय आईएनएस- विक्रांत को समंदर में तैनात कर दिया है। वह लड़ाकू विमानों और परमाणु अस्त्रों से युक्त है। भारत ने परमाणु मिसाइल वाली पनडुब्बी को भी समंदर में सक्रिय कर दिया है। नौसेना सुरक्षा और निगरानी को अधिक बढ़ाने के मद्देनजर भारत ने अमरीका की 'हॉक आई' खरीदने का 13.1 करोड़ रुपए का करार किया है। रूस से 'इग्ला-एस' मिसाइलें खरीदने का करीब 260 करोड़ रुपए का करार किया गया है। ऐसी कई तैयारियां होंगी, जो हमारी सेनाएं कर रही हैं, लेकिन न तो हमें पर्याप्त जानकारी है और न ही राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर उन्हें सार्वजनिक करना सही होगा। प्रधानमंत्री के साथ एनएसए और सेना-प्रमुखों की ऐसी मुलाकातों और बैठकों में विशिष्ट लक्ष्यों, उद्देश्यों, आपातकालीन जरूरतों, सेना-विशेष की चुनौतियों और उचित समय आदि पर खुल कर बातचीत होती है। सेना-प्रमुख प्रधानमंत्री को अपनी सेना की तैयारियों और संभावित विकल्प पर तुरंत प्रहार करने की क्षमताओं को भी ब्रीफ करते हैं। इनके ये मायने नहीं हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ने ही वाला है। भारत के प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री ने युद्ध संबंधी न तो कोई बयान दिया है और परमाणु हथियारों की धमकी तो बहुत दूर की बात है। पाकिस्तान के मंत्री और राजदूत परमाणु हथियार इस्तेमाल करने के लगातार बयान देते रहे हैं। भारत में सेना-प्रमुख कोई भी बयान नहीं देते। यह विशेषाधिकार प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री का है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार देश को आश्वस्त किया है कि आतंकियों और उन्हें समर्थन देने वालों पर ठोस और निर्णायक कार्रवाई जरूर की जाएगी। यानी भारत के राजनीतिक नेतृत्व और सेनाओं के निशाने पर पाकिस्तान में बसे और सक्रिय आतंकी, उनके गुट और उनके पनाहगार हैं। देश के अनुभवी रक्षा विशेषज्ञों, जिन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल और मेजर जनरल के पद पर रहते हुए पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाइयां और टकराव लड़े और झेले हैं, का मानना है कि इस बार आतंकियों के साथ-साथ पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई तथा फौज को निशाना बनाया जा सकता है। वे भी नहीं जानते कि यदि भारत ने प्रहार किया, तो वह किस दर्जे का होगा, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पाकिस्तान की फौज और आईएसआई पर किसी किस्म का हमला किया जाता है, तो पाकिस्तान उसका पलटवार करेगा और वही युद्ध में तबदील हो सकता है।

वक्फ प्रशासन में महिलाओं की हिस्सेदारी के मायने

वक्फ ने कई पीढ़ियों से समाज-कल्याण के विविध पक्षों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वक्फ इस्लाम में एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें लोग धर्मार्थ एवं धार्मिक उद्देश्यों के लिए अपनी संपत्ति या पैसा दान करते हैं। इन दानों से मिलने वाले लाभ का उपयोग दूसरों की मदद करने के लिए किया जाता है, जैसे स्कूल, अस्पताल, मस्जिद आदि का निर्माण और जरूरतमंदों को हर तरह का आश्रय प्रदान करना। यह व्यवस्था हमेशा से गरीब और वंचित समुदायों के लिए सहायता का एक मजबूत स्तंभ और माध्यम रही है। हालांकि, भले ही वक्फ ने कई लोगों को मदद पहुंचाई हो, पर मुस्लिम महिलाओं को अकसर पीछे छोड़ दिया गया है या उन्हें नजरअंदाज किया जाता रहा है। उन्हें वक्फ से कभी भी समान अवसर या उचित लाभ नहीं मिले।

वक्फ ने कई पीढ़ियों से समाज-कल्याण के विविध पक्षों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वक्फ इस्लाम में एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें लोग धर्मार्थ एवं धार्मिक उद्देश्यों के लिए अपनी संपत्ति या पैसा दान करते हैं। इन दानों से मिलने वाले लाभ का उपयोग दूसरों की मदद करने के लिए किया जाता है, जैसे स्कूल, अस्पताल, मस्जिद आदि का निर्माण और जरूरतमंदों को हर तरह का आश्रय प्रदान करना। यह व्यवस्था हमेशा से गरीब और वंचित समुदायों के लिए सहायता का एक मजबूत स्तंभ और माध्यम रही है। हालांकि, भले ही वक्फ ने कई लोगों को मदद पहुंचाई हो, पर मुस्लिम महिलाओं को अकसर पीछे छोड़ दिया गया है या उन्हें नजरअंदाज किया जाता रहा है। उन्हें वक्फ से कभी भी समान अवसर या उचित लाभ नहीं मिले। इसका एक बड़ा कारण वक्फ प्रबंधन में उनकी सीमित भागीदारी और संसाधनों तक सीमित पहुंच को मान सकते हैं। यह असमानता लंबे समय से मौजूद है और इसमें तत्काल सुधार की आवश्यकता है। बदलाव लाने के लिए सरकार ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पेश किया।

इस कानून का उद्देश्य वक्फ को और अधिक समावेशी बनाना है, खासकर मुस्लिम महिलाओं के लिए। इस नजरिये से यह कई नए नियम पेश करता है, जो महिलाओं को संपत्ति में उनका उचित हिस्सा, वित्तीय सहायता और वक्फ मामलों में निर्णय लेने की शक्तियां प्रदान करते हैं। यह इस्लामी दान में लैंगिक समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। नए कानून में सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक विशेष प्रकार के वक्फ में महिलाओं के उत्तराधिकार, अधिकारों की सुरक्षा है, जिसे वक्फ-अलल-औलाद कहा जाता है। इस प्रकार का वक्फ आमतौर पर परिवारों द्वारा अपने बच्चों और वंशजों के लाभ के लिए बनाया जाता है, लेकिन कभी-कभी परिवार के लोग इसका इस्तेमाल बेटियों को उनकी संपत्ति में हिस्सा देने से रोकने के लिए करते हैं और सब कुछ वक्फ को समर्पित कर देते हैं। इस अनुचित प्रथा को रोकने के लिए अधिनियम में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कोई भी संपत्ति वक्फ को तब तक नहीं दी जा सकती, जब तक कि सभी महिला उत्तराधिकारियों को विरासत का उनका कानूनी हिस्सा नहीं मिल जाता।

धारा3ए(2) के तहत कवर किया गया यह नियम सुनिश्चित करता है कि बेटियों, विधवाओं और माताओं को वक्फ का हिस्सा बनने से पहले उनके अधिकार से वंचित न किया जाए। यह कदम न्याय लाता है और इस्लाम की शिक्षाओं का पालन करता है, जो स्पष्ट रूप से महिलाओं को विरासत में निश्चित हिस्सेदारी प्रदान करता है। यह परिवारों को महिलाओं को संपत्ति देने से बचने के लिए वक्फ प्रणाली का दुरुपयोग करने से भी रोकता है। अब, संपत्ति को वक्फ में बदलने से पहले हर महिला को उसका उचित हिस्सा मिलेगा।

नया कानून वक्फ-अल-औलाद के उद्देश्य का भी विस्तार करता है। पहले, इस प्रकार के वक्फ का इस्तेमाल ज्यादातर पुरुष वंशजों को सहारा देने के लिए किया जाता था, लेकिन अब, इसका इस्तेमाल धारा 3(आर)(4) के तहत विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं और अनाथों को वित्तीय मदद देने के लिए किया जा सकता है। यह एक बहुत ही सकारात्मक बदलाव है, क्योंकि यह मुश्किल जीवन स्थितियों में महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा देता है।

विधवाओं को अकसर अपने पति को खोने के बाद कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनके पास आय या सहायता का कोई स्रोत नहीं हो सकता है। इसी तरह, तलाकशुदा महिलाएं और अनाथ आर्थिक रूप से कमजोर हो सकते हैं। यह कानून सुनिश्चित करता है कि उन्हें भुलाया न जाए और वे अपनी बुनियादी जरूरतों, शिक्षा, स्वास्थ्य और आश्रय के लिए वक्फ फंड से सहायता प्राप्त कर सकें। यह कदम न्याय, करुणा और कमजोर या जरूरतमंदों लोगों की देखभाल के इस्लामी सिद्धांतों के अनुरूप है।

वक्फ के पैसे का इस्तेमाल उनके हित में करने से समाज अधिक समान रूप से देखभाल करने वाला बनता है और तब वक्फ व्यवस्था सामाजिक भलाई के लिए एक सच्चा साधन बन जाती है। अधिनियम में एक और बड़ा सुधार वक्फ शासन में महिलाओं को शामिल करना है। पहली बार, अब प्रत्येक राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद के सदस्य के रूप में कम से कम दो मुस्लिम महिलाओं का होना अनिवार्य है, जैसा कि क्रमशः धारा 14 और धारा 9 में उल्लेख किया गया है।

पहले, वक्फ के बारे में अधिकांश निर्णय केवल पुरुषों द्वारा लिए जाते थे। नतीजतन, महिलाओं की चिंताओं और विचारों को अकसर नजरअंदाज कर दिया जाता था, लेकिन अब, नेतृत्व की भूमिकाओं में अधिक महिलाओं के साथ, महिलाओं की जरूरतों और कल्याण का बेहतर प्रतिनिधित्व होगा। महिलाएं यह तय करने में मदद करेंगी कि वक्फ का पैसा कैसे खर्च किया जाना चाहिए और किन परियोजनाओं का समर्थन किया जाना चाहिए। निर्णय लेने में महिलाओं का यह समावेश केवल प्रतीकात्मक नहीं है - यह वास्तविक परिवर्तन लानें में समर्थ है। महिला नेतृत्वकर्ता यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि वक्फ फंड का उपयोग लड़कियों की शिक्षा, मातृत्व देखभाल, कानूनी सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण और महिलाओं के लिए माइक्रोफाइनेंस जैसे सार्थक कारणों के लिए किया जाए। सत्ता में महिलाओं का होना अन्य महिलाओं को भी आगे आने और सामाजिक और धार्मिक मामलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करेगा।

इससे उनमें आत्मविश्वास पैदा होगा और समुदाय के संसाधनों पर स्वामित्व की भावना भी जाग्रत होगी। यह लैंगिक रूप से संवेदनशील शासन के निर्माण में एक बहुत बड़ा कदम है। यह अधिनियम मुस्लिम लड़कियों की छात्रवृत्ति और शिक्षा के लिए वक्फ फंड के उपयोग को प्रोत्साहित करता है। शिक्षा सशक्तिकरण का सबसे मजबूत साधन है। जब लड़कियों को शिक्षित किया जाता है, तो वे स्वतंत्र, आत्मविश्वासी और अपने और अपने परिवार के लिए निर्णय लेने में सक्षम हो जाती हैं। वक्फ उनके सपनों को पूरा करने में एक शक्तिशाली भूमिका निभा सकता है।

शिक्षा के अलावा, यह कानून महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवा का समर्थन करता है, जिसमें उनके लिए अपेक्षित मातृत्व सहायता भी शामिल है। कई मुस्लिम महिलाओं, खासतौर पर गरीब इलाकों में, गुणवत्ता पूर्ण चिकित्सा देखभाल तक पहुँच नहीं पाती हैं। वक्फ के पैसे के उचित इस्तेमाल से, वे अब गर्भावस्था और प्रसव के दौरान आवश्यक उपचार, दवाइयां और सहायता प्राप्त कर सकती हैं। नए नियम महिलाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण और उद्यमिता को भी बढ़ावा देते हैं।

इसका मतलब है कि वक्फ के पैसे का इस्तेमाल व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए किया जा सकता है, जहाँ महिलाएं सिलाई, सौंदर्य सेवाएं, कंप्यूटर का काम, स्वास्थ्य सेवा या व्यवसाय प्रबंधन जैसे उपयोगी कौशल सीख सकती हैं। ये कौशल महिलाओं को नौकरी पाने या अपना खुद का छोटा व्यवसाय शुरू करने में मदद कर सकते हैं। वक्फ माइक्रोफाइनेंस और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का भी समर्थन करेगा, ताकि महिलाएं छोटे ऋण ले सकें, दुकानें या सेवाएं चला सकें और आजीविका कमा सकें।

इसके माध्यम से वे आर्थिक रूप से मजबूत बनती हैं और दूसरों पर उनकी निर्भरता कम होती है। उक्त कानून वक्फ फंड का इस्तेमाल कानूनी सहायता के लिए भी करने की अनुमति देता है, खासकर विरासत के अधिकार और घरेलू हिंसा से जुड़े मामलों में। कई महिलाएं अपने कानूनी अधिकारों को नहीं जानती हैं या कानूनी मदद नहीं ले सकती हैं। वक्फ अब ऐसी सहायता प्रदान करेगा, जिससे उन्हें न्याय और सुरक्षा मिलेगी। अधिनियम में सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक वक्फ रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण है।इसका मतलब है कि सभी वक्फ संपत्तियों और लेन-देन के रिकार्ड को कंप्यूटर सिस्टम में संरक्षित और मेंटेन किया जाएगा।

यह डिजिटल डेटाबेस वक्फ की पारदर्शिता में सुधार करेगा और भ्रष्टाचार को कम करेगा। विचारणीय है कि अक्सर, वक्फ फंड का दुरुपयोग किया जाता था या संपत्तियों पर अवैध रूप से कब्जे कर लिए जाते थे। डिजिटल रिकॉर्ड के साथ, पैसे और जमीन का हिसाब रखना आसान हो जाएगा। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना भी आसान हो जाएगा कि इसका इस्तेमाल सही लोगों और सही उद्देश्यों के लिए किया जाए। यह महिलाओं के लिए विशेष रूप से मददगार है, क्योंकि अब उनके पास सबूत और उनके लाभ के लिए क्या है, इसकी पहुंच होगी। डिजिटल रिकॉर्ड स्पष्टता भी लाते हैं और भ्रम को कम करते हैं। महिलाएं अब ऑनलाइन जांच कर सकेंगी कि शिक्षा, स्वास्थ्य या सहायता के लिए कोई वक्फ योजना मौजूद है या नहीं - और इसके लिए आवेदन कैसे करें। यह पूरी प्रणाली को अधिक खुला, कुशल और निष्पक्ष बनाता है। उक्त अधिनियम अतीत में हुए अन्याय को ठीक करने पर भी जोर देता है जहां महिलाओं को वक्फ लाभों से वंचित रखा गया था।

इन गलतियों को पहचानकर और महिलाओं को समान निर्णय लेने की शक्ति और आर्थिक सहायता देकर, यह अधिक संतुलित समाज की नींव रखता है। यह दृष्टिकोण न केवल भारतीय संविधान के मूल्यों का पालन करता है, जो सभी के लिए समानता और न्याय की गारंटी देता है, बल्कि इस्लाम की सच्ची शिक्षाओं का भी पालन करता है, जो महिलाओं के अधिकारों का सम्मान और सुरक्षा करता है। अधिनियम दोनों की भावना को दशार्ता है। वक्फ के माध्यम से महिलाओं का सशक्तीकरण केवल सहायता देने के विषय में नहीं है, बल्कि यह सम्मान, गरिमा और नेतृत्व देने के संबंध में भी है। महिलाओं को वक्फ प्रणाली में सक्रिय रूप से भागीदार बनाकर, कानून उन्हें हाशिये से सामुदायिक जीवन की मुख्यधारा में जाने में मदद कर रहा है।

राष्ट्रीय विरासत की वैश्विक प्रतिष्ठा और चुनी हुई चुप्पी

इस वर्ष अपैल का महीना भारत के लिए ख़ासा महत्वपूर्ण रहा। ख़ुशी-ग़म, हर्ष-विषाद, मुस्कान और आँसू दोनों नज़रिए से। अभी 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस के मौके पर यूनेस्को ने भारतीयता के दो प्रतीक ग्रंथों- श्रीमद्भागवत गीता और नाट्यशास्त्र- को वैश्विक विरासत घोषित करने का उल्लास पूरा भी न हो पाया था कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले ने विषाद से भर दिया। इन दोनों महत्वपूर्ण घटनाओं के संदर्भ में भारत के बौद्धिक जगत का पूर्वाग्रही और दोहरी मानसिकता का स्याह पक्ष एक बार फिर उजागर हो गया है। यूनेस्को से मिली भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर जिस रहस्यमय तरीके से यह वर्ग उदासीन, ख़ामोश रहा, वहीं आतंकी हमले के बाद एक सुनिश्चित-सी योजना के तहत परोक्ष रूप से आतंकवादियों, आतंकवाद के लिए जिम्मेदार देश के और आतंकवाद के मानसिक समर्थकों के पक्ष में चीख-चीख अपने दोहरे चरित्र का परिचय दिया, वो गौरतलब है। यहाँ बात भारत को मिले वैश्विक सम्मान और उनकी चुप्पी की है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के वैश्विक संघटक संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने विश्व धरोहर दिवस पर जो घोषणा की वो भारतवासियों के लिए सामान्य घोषणा नहीं थी। यूनेस्को ने इस वर्ष भारतीयता की अस्मिता और मानव समाज के लिए अद्भुत भेंट 'श्रीमद्भागवत गीता' और ललित कलाओं के अतुल्य ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' को 'मेमोरी ऑफ़ वर्ल्ड रजिस्टर' (विश्व समृति दस्तावेज) में शामिल कर उन्हें वैश्विक सम्मान दिया। भारत भारतवासियों के लिए यह गौरवशाली क्षण था। उन एक ऐसी उपलब्धि रही कि न केवल भारतीय बल्कि विश्व जगत के समूचे बौद्धिक वर्ग ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त व्यक्त कर यूनेस्को की इस पहल को सराहनीय बताया।

इन सबके बीच भारतीय समाज का ही एक ऐसा वर्ग है जिसने अपने ही देश के इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान पर अपने होंठ कसकर सी लिये और हमेशा की तरह एक चुनी हुई चुप्पी धारण कर ली है। हमारे लिए ये आह्लादकारी गौरव के क्षण इसलिए नहीं हैं कि इन ग्रंथों को यूनेस्को के विश्व स्मृति दस्तावेज में अंकित किया गया है। वस्तुत: इसकी घोषणा एक ऐसे समय में की गई है जब भारतीय समाज का एक बौद्धिक वर्ग भारत के स्वर्णिम अतीत, भारतीय प्रज्ञा, उसकी विलक्षण मेधा, उसके ज्ञान-दर्शन-साहित्य सहित समस्त विषयों, अकादमिक अनुशासन, अद्भुत मानवीय कौशल, उसकी विस्मयकारी उपलब्धियों को, यहाँ तक कि एक राष्ट्र के रूप में भारत और भारतीयता के विचार को ही पूरी चेष्टा के साथ नकारने में जुटा रहता है। इतना ही नहीं, इसे लेकर वे पत्र-पत्रिकाओं, विभिन्न मंचों के साथ सोशल मीडिया पर पूरे जोर-शोर से नकारात्मक नरेशन (मिथ्या, असत्य, निराधार धारणाएं) गढ़ने और उसे फैलाने में भी सक्रिय हो जाते हैं।

यह पहली बार नहीं है। इतिहास साक्षी है जब कभी, कहीं भारतीयता और भारतीय दृष्टि, आस्था, परम्पराओं, मूल्यों, मान्यताओं, स्थापनाओं, धर्म, दर्शन ग्रंथों की चर्चा चलती-निकलती है, उस समय भारतीय बौद्धिक जगत का यह समूह विस्मयकारी चुप्पी धारण कर लेता है या फिर अपनी पूरी मानसिक, शारीरिक ऊर्जा से उसे नकारने, उसका खंडन करने, उसकी प्रासंगिकता, उसकी सामयिकता, उसकी वैज्ञानिकता खोजने में लग जाता है। ऐसा विशेष कर उस समय, दौर विशेष में होता है जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र के लिए गौरव के पल होते हैं। भारत और भारतीयता, भारतीय संस्कृति की चर्चा मात्र निकलने से उसकी 'प्रश्नाकुल मानसिकता' कुलबुलाने लगती है, उसका 'तर्कपूर्ण मस्तिष्क' एक सीमा तक आते-आते कुतर्कपूर्ण तरीके से उसके मूल्यों को कटघरे में खड़ा करने लगता है। निर्मल वर्मा ने 'चुनी हुई चुप्पी' शब्द का प्रयोग भारतीय बौद्धिक जगत की उस खामोशी को उजागर करने के लिए किया था, जो राजनीतिक निहितार्थों, प्रलोभनों और वर्तमान के अलावा भविष्य की कई 'संभावनाओं' के मद्देनज़र व्यक्त नहीं की जाती है।

इस वर्ग की चुनी हुई चुप्पी या मुखरता के अंतर्विरोध का आलम यह है कि यह समूह कभी किसी हिंसक तामसी परम्पराओं या अमानवीय स्त्री विरोधी रवायतों का खुलकर समर्थन ही नहीं करेगा बल्कि उसमें भागीदार बन कर जश्न मनाते हुए मुबारकबाद भी देगा। वहीं, किसी आस्था से जुड़े सात्विक पर्व की वैज्ञानिकता और प्रासंगिकता पर प्रश्न खड़े करेगा। भारतीय बौद्धिक जगत की यह खामोशी लोकतंत्र के लिए स्वस्थ नहीं है। यह सब वो एक राजनीतिक दृष्टि विशेष से करता है। वस्तुत: यह सब करना छद्म बौद्धिक समूह का फैशन बन चुका है। वर्तमान में भारत की यह उपलब्धि इस समूह के लिए एक गहरे सदमे से कम नहीं।

राष्ट्रीय विरासत की वैश्विक प्रतिष्ठा के इस गौरवपूर्ण क्षणों में एक नि:स्पृह चुप्पी, घोर उदासीनता, अजनबियत-सी दृष्टि, रखने वाले कोई समान्य, अपरिचित या गुमनाम लोग नहीं हैं, ये लोग राष्ट्रीय स्तर पर पत्र-पत्रिकाओं में छपने वाले, लिट् फेस्ट, साहित्य उत्सवों, महोत्सवों में दंभपूर्वक शिरकत करने वाले, विभिन्न मंचों के अलावा सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स रखने वाले अपने-आपको वे 'पढ़ने-लिखने की दुनिया वाला' घोषित करते हैं। अपने वृत्त के किसी सदस्य की 25- 50 हज़ार रुपए का पुरस्कार मिलने की बात तो छोड़िए, किसी किताब पर सालभर की पाँच-सात हज़ार रुपए की रॉयल्टी मिलने या किसी सामान्य-सी पत्र-पत्रिका में कोई कहानी, कविता लेख छपने पर बधाइयों का जो तांता लगता है वो हैरान करने वाला होता।

भारतीय समाज का यह वो बौद्धिक वर्ग है, जो अपनी संस्कृति, अपने धर्म, अपने राष्ट्र को लेकर हीन भावना से ग्रस्त है। कल्चर से लेकर एग्रीकल्चर, पृथ्वी से लेकर मंगल तक की जानकारी रखने का भ्रम पाले हर सप्ताह-दस दिन पूंजीवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का दावा करने वाले रूसी क्रांति के इन महाविशेषज्ञों के इस समूह पर यूनेस्को की घोषणा वज्र गिरने जैसी है। श्रीमद्भागवत गीता और नाट्यशास्त्र को वैश्विक सम्मान देकर इस अंतरराष्ट्रीय संस्था ने उनके नकारात्मक नरेशन, कुप्रचार को ध्वस्त कर दिया है।

ऐसे में हकबकाया-सा यह समूह हमेशा की तरह चुप्पी धारण करके बैठ गया है। इनकी चुप्पी और मुखरता मौके के अनुसार तय होती है। बड़े जतन से और बड़े प्रचार-प्रसार से निर्मित की गई अपनी 'प्रगतिशील-सेकुलर' छवि को बनाए रखने के उद्देश्य के कारण यह समूह उस समय भी निर्लज्ज बन गया था, जब मार्च 2001 में अफगानिस्तान के बामियान में तालिबान ने विशुद्ध मज़हबी कारणों से डेढ़ हज़ार साल पुरानी दो बुद्ध प्रतिमाओं को टैंकों, गोलियों और डायनामाइट से ध्वस्त कर दिया। उस ऐतिहासिक विश्व धरोहर के विध्वंस के बाद भी इस समूह ने रस्मी-तौर पर मिमियाते हुए बुदबुदा कर हल्का-सा विरोध जता दिया और चुप्पी धारण कर ली। आज भी जब यह प्रसंग आता है वे तो टालमटोल कर विषयांतर कर देते हैं।

ऐसे ही जुलाई 2020 में तुर्की के इस्तांबुल स्थित छठी शताब्दी के ऐतिहासिक संग्रहालय की मूल पहचान मिटाते हुए इसे मस्जिद में बदल दिया गया तो इस दौरान भी उनमें गहरा सन्नाटा छाया रहा, सब चुप! जैसे कुछ हुआ ही न हो, लेकिन पिछले साल जब पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय ने धरोहरों को संरक्षित करने के उद्देश्य से 'एक विरासत अपनाओ' (एडॉप्ट अ मोन्यूमेंट) की 'विरासत मित्र' योजना के तहत जब मोदी सरकार ने दिल्ली के लाल किले के संरक्षण का जिम्मा औद्योगिक घराने डालमिया समूह को दिया तो यही समूह अपनी भाजपा और मोदी विरोधी राजनीति के तहत चीख-चीख कर 'लाल किला बेच दिया'...'लाल किला पूंजीपति घराने को दे दिया'.. जैसे तथ्यहीन और मिथ्या आरोप लगाने लगा। जबकि वास्तविकता है कि केवल लाल किला ही नहीं, देश के विश्व प्रसिद्ध 21 स्मारक और धरोहरों को निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, एनजीओ, ट्रस्टों, सोसायटियों को सौंपा गया है ताकि वे अपने सीएसआर फंड के माध्यम से संरक्षित स्मारकों में सुविधाओं का विकास कर सुविधाएं प्रदान कर सकें।

समूह ने तथ्यों के विपरीत अपने राजनीतिक दृष्टिकोण से एक बिंदु चुना और उसको लेकर मिथ्या नरेशन गढ़ दिये। ऐसा ही एक दौर यह भी है। भारतीय बौद्धिक वर्ग के इस चरित्र को रेखांकित करते हुए मार्टिन लूथर किंग जूनियर के ये शब्द बेहद प्रासंगिक लगते हैं- अंत में, हम अपने शत्रुओं के शब्दों को नहीं बल्कि अपने मित्रों की चुप्पी को याद रखेंगे।

बांदकपुर जागेश्वरनाथ धाम में विकास की नई इबारत

मुख्यमंत्री 9 मई को करेंगे भूमि पूजन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, दमोह जिले का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बांदकपुर जागेश्वरनाथ मंदिर अब पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 9 मई को इस भव्य परियोजना का भूमि पूजन करेंगे। इस अवसर पर एक विशाल जनसभा भी आयोजित होगी।

मंगलम् होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान संस्कृति मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, दमोह विधायक जयंत मलैया और भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने मीडिया को बताया कि बांदकपुर लोक के रूप में मंदिर परिसर को विकसित करने की योजना बनाई गई है, जो 100 करोड़ रुपये की लागत से पांच चरणों में पूरी होगी।

राज्यमंत्री लोधी ने बताया कि प्रथम चरण में मुख्य प्रवेश द्वार, पैदल पथ, गौशाला, हवन क्षेत्र एवं व्यापारिक दुकानों सहित संपूर्ण क्षेत्र का लेआउट विकसित किया जाएगा। इसके बाद मंदिर भवन का जीर्णोद्धार, बाहरी क्षेत्र का सौंदर्यीकरण और सांस्कृतिक व्यवस्थाएं की जाएंगी।

विधायक जयंत मलैया ने कहा, हमारे संकल्प पत्र में यह वादा था, जिसे सरकार बनते ही क्रियान्वित किया गया। बांदकपुर लोक का निर्माण केवल एक मंदिर नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की सांस्कृतिक और आर्थिक प्रगति का द्वार खोलेगा।

जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि जिले के श्रद्धालुओं की वर्षों पुरानी मांग अब पूरी हो रही है। संस्कृति मंत्री लोधी के प्रयासों से यह सपना साकार हो रहा है।

यह परियोजना न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगी, बल्कि स्थानीय रोजगार, व्यवसाय और सांस्कृतिक चेतना को भी नई दिशा देगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में आयोजित किया गया विदाई समारोह

नेत्र चिकित्सा सहायक बिसेन के सेवा निवृत्त होने पर स्वास्थ्य विभाग ने दि विदाई

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, नगर मुख्यालय के शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में 6 मई2025दिन मंगलवार को विदाई समारोह का आयोजन स्वास्थ्य विभाग के सभाहाल में आयोजित किया गया जिसमें खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रित्विक पटेल कि गरिमामई उपस्थिति में कार्यक्रम कि शुरुआत हुई। वहीं श्री छोटेलाल बिसेन नेत्र चिकित्सा सहायक के पद पर से सेवानिवृत्त होने पर सम्मान व विदाई समारोह आयोजित किया गया।इस पुनीत अवसर पर उनके परिवार के सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे हैं। वहीं श्री छोटेलाल बिसेन 30/4/2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही सेवानिवृत्त हुए,जानकारी अनुसार श्री छोटेलाल बिसेन कि प्रथम न्युक्ति दिनांक 8/11/1989 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में नेत्र चिकित्सा सहायक के पद पर हुई तथा अपने 36 वर्ष का अधिवार्षिकी सेवाकाल पूर्ण करते हुए 30/4/2025 को वे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में ही सेवानिवृत्त हुए तथा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ रित्विक पटेल कि प्रमुख उपस्थित में आज वादाई समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उनकी इस सेवानिवृत्त होने व विदाई समारोह केअवसर पर सुपरवाइजर,सेक्टर सुपरवाइजर,ए एन एम,एम पी डब्लू, तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समस्त कर्मचारियों द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। वहीं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के हस्ते शाल श्रीफल एवं भेंट देकर उनका सम्मान किया गया,खंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा उनके कार्य से प्रेरणा लेकर सभी को कार्य करने को कहा गया एवं उनके सुखी जीवन कि कामना कि गई। वहीं विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक भुवनेश्वर बोपचे द्वारा उनके अनेक चुनोतियों से संघर्ष कर बेहतर स्वास्थ्य सेवा देकर समाज सेवा व मानव सेवा करने पर कार्य कि सराहना कि गई एवं उनके दिर्घायु व सुखी जीवन कि कामना कि गई। कार्यक्रम में विकासखंड लेखा प्रबंधक संतोष दुधमोंगरें,बीपीएम भुवनेश्वर बोपचे,डी एस ठाकरे बी ई ई,डां.धर्मेंद्र गोहिया,अकाउंटेड ऋषि डहारे,रमेश रजक,डी एस पवार,जयकरण पंचेश्वर,ब्रज कुमार रंगीरे,कृष्णपाल चौहान, श्याम दास चौरे,अंकिता अग्रवाल,सपना धुर्वे,शोभना भारद्वाज,अहिल्या मेश्राम,गोडाने,रेखा टेम्भरे, जितेन्द्र,रवि,अनुराग चित्रीव, गणेश देशमुख,अमित जैन सहित अन्य सभी कर्मचारी गण मौजूद रहे हैं।

नाबालिग स्कूली छात्रों द्वारा वाहन चलाये जाने पर 06 दो पहिया वाहनों को सीज करते हुये 25-25 हजार रूपये का लगाया गया जुर्माना

23 ऑटो तथा 02 ई-रिक्शा वाहनों के प्रपत्र उपलब्ध न होने के कारण किये गये सीज

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देश पर सड़क सुरक्षा के अंतर्गत स्कूली बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत अभियान चलाया गया। इसके लिए पुलिस अधीक्षक यातायात सिद्धार्थ वर्मा के नेतृत्व में विभिन्न अधिकारीगण की कुल 06 टीमें गठित की गयी, जिनमें सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी एम0पी0 सिंह, नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र सिंह, उप जिलाधिकारी सुरेन्द्र कुमार, उपजिलाधिकारी श्वेता पाण्डेय, उपजिलाधिकारी विजय कुमार, उप जिलाधिकारी विकास कुमार शामिल रहे। जिनके द्वारा शहरी क्षेत्र के प्रमुख स्कूलों के बाहर अभियान चलाया गया, जिनमें अलग-अलग स्थानों पर कुल 23 ऑटो तथा 02 ई-रिक्शा वाहनों के प्रपत्र उपलब्ध न होने के कारण सीज किये गये साथ ही साथ नाबालिग स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा वाहन चलाये जाने पर कुल 06 दो पहिया वाहनों को सीज करते हुये 25-25 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया तथा सभी छात्र-छात्राओं के अभिभावकों को बुलाकर सचेत करते हुये भविष्य में इस प्रकार नाबालिग बच्चों द्वारा वाहन चलाते हुये पाये जाने पर कठोर कार्यवाही करते हुये अभियोग पंजीकरण की कार्यवाही किये जाने हेतु चेतावनी दी गयी। विदित है कि कई दिनों से ऑटो तथा ई-रिक्शा वाहनों में स्कूली बच्चों को क्षमता से अधिक बैठाकर व वाहन के बाहर की तरफ लटकाकर वाहनों को बेहद खतरनार तरीके से चलाये जाने के प्रकरण संज्ञान में आ रहे थे।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि नाबालिग बच्चों द्वारा इस प्रकार वाहन चलाये जाने पर जीवन को खतरा रहता है। उनके द्वारा सभी अभिभावकों से अपील की गयी कि अपने बच्चों का जीवन खतरे में न डालें ताकि सम्भावित सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सकें।

माध्यमिक शिक्षा मंडल के नतीजों में तिलक राष्ट्रीय स्कूल और कटनी जिले के छात्रों की शानदार उपलब्धि

शानवी और प्राकृत ने प्रदेश में टॉप स्थान पाए

कटनी, माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित नतीजों में तिलक राष्ट्रीय स्कूल की कक्षा बारहवीं की छात्रा शानवी द्विवेदी ने जीव विज्ञान समूह में प्रदेश में 480 अंक प्राप्त कर चौथा और कटनी जिले में प्रथम स्थान अर्जित किया है। इसी तरह तिलक राष्ट्रीय स्कूल के कक्षा बारहवहीं के छात्र प्राकृत तिवारी ने भी प्रदेश में 476 अंक अर्जित कर आठवां एवं कटनी जिले में में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित दसवीं के रिजल्ट में कटनी जिले के 5 छात्रों ने मेरिट में स्थान बनाया है। जिसमे बड़ागांव स्कूल की छात्रा रागिनी चक्रवर्ती ने आठवां, सिविल लाइन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा पूजा चौधरी ने नवमां, देवराखुर्द स्कूल की छात्रा कुमारी मनु सिंह ने नवमां, विलियम हेनरी सेलमान मेमोरियल स्कूल स्लीमनाबाद के छात्र विवेक तिवारी ने नवमा स्थान, मॉडल स्कूल कटनी के छात्र प्रशु गौतम एवं उमरियापान स्कूल की छात्रा कुमारी भूमिका कटारिया ने दसवां स्थान अर्जित किया है।

ब्राइटर माइंड्स कोर्स में बच्चों के मानसिक विकास की अनूठी पहल

दमोह में तीसरे दिन का सफल आयोजन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में, मध्य प्रदेश पुलिस और हार्टफुलनेस संस्थान कन्हा शांति वनम, हैदराबाद के संयुक्त प्रयास से पुलिस परिवारों के बच्चों के लिए संचालित ब्राइटर माइंड्स कोर्स का तीसरा दिन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण आईजी रूचि वर्धन दीदी के मार्गदर्शन में दमोह की पुलिस लाइन स्थित दिशा लर्निंग सेंटर में आयोजित किया गया।

5 से 15 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के मानसिक और बौद्धिक विकास के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस कोर्स में बच्चों ने विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। ब्राइटर माइंड्स के प्रशिक्षक आरक्षक 854 रामकरन सिंह एवं दीदी मनीषा की उपस्थिति में 4 घंटे 30 मिनट का प्रशिक्षण सत्र चला, जिसमें आंख बंद कर रंग पहचानने जैसी विलक्षण गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की अंतर्ज्ञान क्षमता और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को विकसित किया गया।

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि बच्चों के माता-पिता को आमंत्रित कर उनसे फीडबैक भी लिया गया। सभी अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की और बच्चों में दिख रहे सकारात्मक बदलावों को साझा किया। उन्होंने इस तरह के आयोजनों को बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

डीएम ने जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

चिकित्सालय परिसर में स्वच्छता का रखा जाए विशेष ध्यान, मरीजों से किया जाए मृदु व्यवहार

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा एसबीडी जिला चिकित्सालय का बारीकी से औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा चिकित्सालय के ई0एन0टी0 ओ0टी0, सर्जरी ओ0टी0 का भी निरीक्षण किया। जिसमें आपरेशन सम्बन्धी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ऑपरेशन थिएटर में आपरेशन काउन्टर स्थापित करने हेतु निर्देशित किया। चिकित्सकों द्वारा किये जाने वाले मरीजों के आपरेशन पंजीकरण पंजिका को देखा। सर्जरी करने वाले चिकित्सको को आदेशित किया गया की वे मरीजों की एक पंजिका तैयार करें जिसमें भर्ती होने वाले मरीजों का फॉलोअप इत्यादि की जानकारी दर्ज की जा सके। उन्होंने मरीजों से वार्ता कर चिकित्सालय में मुहैया कराई जा रही सुविधाओं की गुणवत्ता एवं चिकित्सकों के व्यवहार के बारे में जाना। उन्होंने सीएमएस कक्ष में लगे एलईडी डिसप्ले पर सीसीटीवी कैमरों के संचालन की स्थिति को देखा। मनीष बंसल ने सभी चिकित्सा अधिकारियों को आदेशित किया कि कोई भी चिकित्सक किसी भी मरीज को शासन द्वारा प्राप्त 287 औषधि (ई0डी0एल0 सूची) के अतिरिक्त बाहर की औषधि न लिखे। उन्होंने निर्देश दिए कि हीट वेव से बचाव के लिए तैनात कर्मचारियों को ब्रीफिंग किया जाए ताकि वो अपने जिम्मेदारियों को अच्छे से पूर्ण कर सकें। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित रजिस्टर एवं अन्य रजिस्टरों को भी चेक किया। उन्होने निर्देश दिए कि उपस्थिति रजिस्टर में संबंधित अपने पूर्ण और स्पष्ट हस्ताक्षर करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि भर्ती मरीजों का बेहतर इलाज किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि सभी चिकित्साधिकारी एवं कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर समय से उपस्थित होकर शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करें ताकि रोगियों को चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं का समुचित लाभ मिल सके। चिकित्सकीय परामर्श, पैथोलॉजी जांच, औषधियों का वितरण एवं देखरेख में किसी प्रकार की लापरवाही व कोताही न बरती जाए। मरीजों से मृदु व्यवहार किया जाए। पैरामेडिकल स्टाफ एवं सफाई कार्मिकों का मरीजों एवं तीमारदारों से अच्छा आचरण बर्ताव सुनिश्चित हो। उन्होने कहा कि मरीजों को बेहतर अल्ट्रासाउण्ड की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय परिसर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में किसी मरीज एवं तीमारदार को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार, प्रमुख अधीक्षक डॉ0 सुधा, सहायक नर्सिंग अधीक्षक श्रीमती संतोष सिलवानी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संत सिपाही बोले युद्ध मात्र फौज नहीं, पूरा भारत लड़ेगा

मॉक ड्रिल में नई पीढ़ी के लिए प्रशिक्षण 7 मई को

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, देश का ऊंचा मनोबल सेना की शक्ति है और सेना पर देश का भरोसा ही सेना का हौसला, ये विचार रखते हुए संत सिपाही के रूप में जाने जाने वाले पद्मश्री से सम्मानित योग गुरु स्वामी भारत भूषण ने कहा कि देश में 54 साल बाद सुरक्षा और सजगता के लिए हो रही मॉक ड्रिल ये समझाने के लिए है कि राष्ट्रीय सुरक्षा में हर नागरिक की बड़ी भूमिका है और पिछले युद्धों में नागरिकों ने सेना के साथ बिना वर्दी के सैनिक बनकर महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने कहा कि ये ड्रिल्स तो शांतिकाल में भी चलती रहनी चाहिए क्योंकि बारिश से बचने का इंतजाम वर्षा शुरू होने से पहले ही किया जाता है। अपने विद्यार्थी जीवन में सेना के साथ साहसिक योगदान के लिए तत्कालीन जनरल सैम मानेकशॉ के हाथों पुरस्कृत होने और उसके बाद सेना के लिए योग प्रशिक्षण की शुरुआत करके निरंतर सुरक्षा बलों के साथ जुड़े रहने वाले गुरु भारत भूषण ने कहा कि 54 साल तक की उम्र पा चुके देशवासियों के पास युद्ध की इमरजेंसी झेलने का अनुभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ईश्वर करे कि ये उन्हें झेलना भी नहीं पड़े, लेकिन उन्हें उसका प्रशिक्षण लेना उनके लिए ज्ञानवर्धक होने के साथ- साथ आत्मविश्वास बढ़ाने और आज युद्ध के तेजी से बदलते तरीकों के दौर में देश के लिए उपयोगी बने रहने का प्रशिक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस, सिविल डिफेंस और एनसीसी आदि संगठनों के अलावा हमारे भूतपूर्व सैनिक इस अभियान में सक्रिय होकर बड़े मददगार सिद्ध होंगे। योग गुरु ने कहा कि 1965 और 1971 के युद्ध देख चुके बुजुर्ग नागरिकों को आंतरिक सुरक्षा के अनुभव नई पीढ़ी के साथ साझा करने का समय आ गया है। योग गुरु बोले कि दुनिया की सर्वाधिक सशक्त सेना और देश दीवाने नागरिकों के हाथों में अपना देश सुरक्षित है और ये मॉक ड्रिल एक तरह का युद्धाभ्यास है जिसमें हमे जरूरत आ पड़ने पर निभाने के लिए अपनी दमदार भूमिका को अच्छे से समझना है, डर को भी डरा देने की सामर्थ्य रखने वाले भारतीयों को अफवाहों से सावधान रहने और धैर्य से परिस्थितियों का सामना करने के अपने पुराने अभ्यास को ताज़ा करने का समय आ गया है। ज्ञातव्य है कि भारत सरकार के आवाहन पर इसकी आवश्यकता देखते हुए 7 मई को जगह जगह मॉक ड्रिल की श्रृंखला में स्वामी भारत भूषण बुधवार को मोक्षायतन योग संस्थान में नई पीढ़ी को इस विषय में जागरूकता अभियान करेंगे।

आई.आई.ए. की बैठक में व्यापारियों, चिकित्सकों तथा शिक्षा से सम्बन्धित विषयों पर विचार-विर्मश किया

आई.आई.ए.के होने वाले चुनाव में नये चैयरमैन के चुनाव पर भी विचार- विमर्श किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, इन्डियन इन्डस्ट्रीज़ एसोसिएशन चैप्टर देवबन्द (आई.आई.ए.) की एक बैठक जामिया तिब्बिया, जी.टी. रोड़, देवबन्द पर चैप्टर चैयरमैन पंकज गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। जिसमें आई.आई.ए. के चैयरमेन पंकज गुप्ता ने पिछली मीटिंग की कार्यवाही पेश की और व्यापारियों, चिकित्सकों तथा शिक्षा से सम्बन्धित विषयों पर विचार-विर्मश किया। इस दौरान अगामी जुलाई माह में इन्डियन इन्डस्ट्रीज़ एसोसिएशन चैप्टर देवबन्द (आई.आई.ए.)के होने वाले चुनाव में नये चैयरमैन के चुनाव पर भी विचार- विमर्श किया गया। जिसका सभी सदस्यों ने समर्थन किया। कहा गया कि इण्डस्ट्रीयल स्टेट में सड़के तो यू0पी0सी0 द्वारा बना दी गई किन्तु इन्टरलोकिंग कार्य अभी तक पूर्ण नहीं किया गया है। जिसको पूरा कराने के लिए उपायुक्त उद्योग से सम्पर्क किया जायेगा। साथ ही अगली सभा की कार्यकारिणी हेतु भी विचार-विमर्श किया गया। मीटिंग समाप्ति के उपरान्त इन्डियन इन्डस्ट्रीज़ एसोसिएशन चैप्टर देवबन्द (आई.आई.ए.) के सभी सदस्यों ने जामिया तिब्बिया देवबन्द, अस्पताल जामिया देवबन्द, जामिया रेमीडिज़, जामिया कॉलेज आफ फार्मेसी और शमीम अहमद सईदी यूनानी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल का भम्रण किया। इस दौरान आई.आई.ए. चैयरमैन पंकज गुप्ता ने कहा कि जामिया तिब्बिया देवबन्द उ0प्र0 में ही नहीं पूरे हिन्दुस्तान में अपनी पहचान रखता है जामिया तिब्बिया देवबन्द के स्थापित होने से नगर के काफी लोगों को नौकरी का लाभ मिल रहा है। आई.आई.ए. के पूर्व चैयरमैन जर्रार बेग ने अस्पताल की प्रंशसा करते हुए कहा कि नगर की गरीब जनता को इस अस्पताल के स्थापित होने से काफी लाभ मिला है। आई0आई0ए0 के पूर्व चैयरमेन दीपक राज सिंघल ने जामिया तिब्बिया देवबन्द में उपलब्ध सुविधाओं की प्रशंसा की तथा कहा कि जामिया तिब्बिया देवबन्द के स्थापित होने के बाद यहॉ से शिक्षा प्राप्त कर चुके डाक्टर अपनी चिकित्सकीय सेवाएं देश ही नहीं अपितु विदेश में भी अपनी सेवाएं दे रहे है। जिससे जामिया तिब्बिया देवबन्द का नाम ही नहीं अपितु देश का नाम भी रोशन हो रहा है। आई0 आई0ए0 के सदस्य विजय गिरधर ने कहा कि जामिया तिब्बिया अस्पताल में जो इलाज बित तदबीर (पंचकर्मा) के द्वारा जोड़ के दर्द, गठिया बांय, अरकुन्नसि, सोना बाथ आदि के द्वारा रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज किया जा रहा है और रेमेडीज जो यूनानी औषधिया तैयार की जा रही है उनकी गुणवत्ता अन्य कंपनियों से अच्छी है। आई.आई.ए के सदस्य एवं प्रबंधक जामिया तिब्बिया देवबन्द डा. अनवर सईद ने सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि आई.आई.ए के द्वारा चिकित्सा, शिक्षा को सम्मलित करने का अच्छा कार्य किया गया है। जिससे सभी संस्थानों को एक-दूसरे का सहयोग मिलता रहेगा। इस अवसर पर ब्रिजेश कंसल, राजीव भाटिया, अश्वनी मित्तल, प्रवीन धीमान, सचिन छाबडा आदि सदस्य उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर 527 किसानों से खरीदा गया 31521 क्विंटल गेहूं

खरगोन

चालू सीजन में किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की नियत अंतिम तिथि 5 मई तक जिले में 527 किसानों से 31 हजार 521 क्विंटल गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीदी की गई है। जिला आपूर्ति अधिकारी बीएस जमरे ने बताया कि खरगोन जिले में 15 मार्च से समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी प्रारंभ की गई थी। समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए खरगोन जिले के 5634 किसानों ने अपना पंजीयन कराया था। समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी के लिए खरगोन जिले में कुल 25 केन्द्र बनाये गये थे। किसानों को गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपये के साथ ही 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस भी दिया जा रहा है। इस प्रकार किसानों से 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीदी की गई है।

महर्षि वेदव्यास पब्लिक स्कूल की छात्रा ने गणित संकाय में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया

खरगोन मध्य प्रदेश शिक्षा मंडल की 12 वी कक्षा की महर्षि वेद व्यास पब्लिक स्कूल की छात्रा कु रेनसी राकेश पाटीदार ने गणित संकाय में 473 अंक एवं 94.6% प्रतिशत प्राप्त कर खरगोन जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया । कक्षा 10 वीं की बोर्ड परीक्षा में छात्र समीर अब्दुल मंसूरी ने 96% अंक प्राप्त कर संस्था में प्रथम स्थान प्राप्त किया । कु रिया बावरे ने 90% अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया कक्षा 12 वीं के कुल 43 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी तथा 12 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी हासिल की । कक्षा 10 वीं में कुल 30 विद्यार्थियों ने प्रथम तथा 23 ने द्वितीय श्रेणी हासिल की। गणित संकाय में छात्र स्नेहा गुप्ता 87%,कु अमूल्या बृजेश व्यास 86 % , अंक प्राप्त कर संस्था का परचम

लहराया । छात्र अनिकेत अवधेश चौधरी ने बायो संकाय में 90 % अंक प्राप्त कर संस्था में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा आरसी खान 80% , कॉमर्स संकाय में कु बरखा पटेल ने 83 व प्रथम, सुजल पन्नालाल ने 72.8 अंक प्राप्त किए। कृषि संकाय में अनिकेत पाटीदार ने 86.6,% अंक प्राप्त कर संस्था में प्रथम स्थान प्राप्त किया । छात्र गोविंद यादव ने 78.6% अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। होनहार छात्र छात्राओं को संचालक निलेश व्यास , ब्रजेश कुमार व्यास ने हार्दिक बधाई दी । संस्था के एकेडमिक डायरेक्टर राजेश व्यास ने बताया कि खरगोन जिले में लगातार दूसरे वर्ष स्कूल की छात्राओं ने जिले में बोर्ड परीक्षा ओ में प्रथम स्थान प्राप्त किया है । 2023 24 में निधि यादव कक्षा 10 वीं की टॉपर थी इस वर्ष 2024 25 में कु रेनसी पाटीदार ने कक्षा 12 वी में जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया । सभी छात्र छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाओं की असीम मेहनत का परिणाम स्वरूप संस्था को गौरव शाली क्षण प्राप्त हुआ। होनहार छात्राओं का संस्था में स्वागत एवं मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया गया । इस अवसर पर डॉ राकेश पाटीदार , शिक्षा विभाग में BAC अजय कर्मा , संस्था की संचालक श्रीमती सीमा व्यास, सुधीर सराफ , जितेंद्र पाटीदार, देवदत्त एक्कल , अवधेश चौधरी शिक्षक रविन्द्र गुर्जर, वीरेंद्र वर्मा , सीमा पाटीदार, मीना भाटी, रंजीत मंडलोई, अंकुश पाटीदार ने उपस्थित रहकर बच्चों की उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की ।

जनसुनवाई में सुनी गई 60 आवेदकों की समस्याएं

खरगोन

खरगोन- कसरावद तहसील के ग्राम कठोरा की कविता बुंदेला शिकायत लेकर आयी थी कि उसका मकान सरदार सरोवर परियोजना के डूब क्षेत्र में है और उसके पास निवास का अन्य कोई साधन नहीं है। अत: उसे अतिशीघ्र मुआवजा राशि दिलायी जाये। इस प्रकरण में एनव्हीडीए के भु अर्जन अधिकारी को कार्रवाई करने कहा गया है जनसुनवाई में कसरावद तहसील के ग्राम पंचायत रणगांव के ग्राम काकरियाव का अशोक पठौते शिकायत लेकर आया था कि उसके भाई सुरेश पठौते की 10 जनवरी 2019 को वाहन दुर्घटना में मृत्यु हो गई है। उसके परिवार का संबल कार्ड बना हुआ है। उसके परिवार को 04 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि स्वीकृत हो चुकी है, लेकिन श्रम कार्यालय एवं जनपद पंचायत कार्यालय का कई बार चक्कर लगाने के बाद भी अब तक यह राशि प्राप्त नहीं हुई है। इस प्रकरण में जिला श्रम पदाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। जनपद पंचायत भगवानपुरा की ग्राम पंचायत दाबला का किसान गोरेलाल पिता सोमारिया अपने खेत में कपिलधारा कूप निर्माण की स्वीकृति दिलाने की मांग लेकर आया था। गोरेलाल का कहना था कि वह 2021-22 से अपने खेत में कूप निर्माण की स्वीकृति देने की मांग कर रहा है, लेकिन सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक द्वारा उससे झूठ बोला जा रहा है। जिसके कारण उसे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रकरण में जनपद पंचायत भगवानपुरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। जनपद पंचायत सेगांव की ग्राम पंचायत गोलवाड़ी की मंजू अंडेलकर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आयी थी। उसका कहना था कि वह बहुत गरीब है और लाड़ली बहना योजना की हितग्राही भी है। मजदूरी कर जीवन यापन करने के कारण वह मकान बनाने में सक्षम नहीं है। वह टूटे-फूटे मकान में रहती है और उसका मकान बारिश के दिनो में गिर सकता है। उसकी पंचायत के उससे सम्पन्न परिवारों को इस योजना का लाभ मिल चुका है, लेकिन उसे अब तक इस योजना के लाभ से वंचित रखा गया है। अत: उसे शीघ्र आवास योजना का लाभ दिलाया जाये। इस प्रकरण में जनपद पंचायत सेगांव की मुख्य कार्यपालन अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

जनसुनवाई में आए कुल 77 आवेदन आए

धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम अश्विनी कुमार रावत, संयुक्त कलेक्टर जगदीश मेहरा, एसडीएम रोशनी पाटीदार ने भी आवेदकों की समस्याओं को सुना। इस जनसुनवाई में कुल 77 आवेदन प्राप्त हुए। इस जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, अतिक्रमण हटाने, अवैध कब्जा हटवाने, मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, अनुकम्पा नियुक्ति दिलाने, राजस्व रेकार्ड में सुधार करने, भूमि का नामांतरण करने, बीमारी के जिलए आर्थिक सहायता राशि दिलवाने, रास्ता खुलवाने, मुआवजा राशि दिलाने, बिजली बिल माफ करने, इत्यादि संबंधी आवेदन प्राप्त हुए।

श्री ललितमुनिजी की बड़ी दीक्षा सआनन्द सम्पन्न

आज से ललितमुनिजी महाव्रतधारी कहलायेंगें

झाबुआ जिन शासन में संयम व तप को कर्म निर्जरा का हेतु माना गया है ऐसे में जहाँ जैन समाज में अनेक आत्माओं ने तप के सहारे कर्म भेदने का पुरुषार्थ किया व कर रही है वही दुष्कर संयम के मार्ग पर आरूढ़ होने वाले साधक भी विरले ही होते है। अक्षय तृतीया 30 अप्रैल 2025 पर थांदला में दिक्षित ललितमुनिजी (सांसारिक नाम - ललित भंसाली) की बड़ी दीक्षा का भव्य महोत्सव झाबुआ ज़िलें के कल्याणपुरा में सम्पन्न हुआ। जिन शासन गौरव जैनाचार्य पूज्य श्री उमेशमुनिजी म.सा. अणु के अंतेवासी शिष्य पूज्य श्री धर्मदासगण के नायक महान साधक बुद्धपुत्र प्रवर्तक श्री जिनेंद्रमुनिजी ने श्री ललितमुनिजी की बड़ी दीक्षा सआनन्द सम्पन्न

आज से ललितमुनिजी महाव्रतधारी कहलायेंगें थांदला। जिन शासन में संयम व तप को कर्म निर्जरा का हेतु माना गया है ऐसे में जहाँ जैन समाज में अनेक आत्माओं ने तप के सहारे कर्म भेदने का पुरुषार्थ किया व कर रही है वही दुष्कर संयम के मार्ग पर आरूढ़ होने वाले साधक भी विरले ही होते है। अक्षय तृतीया 30 अप्रैल 2025 पर थांदला में दिक्षित ललितमुनिजी (सांसारिक नाम - ललित भंसाली) की बड़ी दीक्षा का भव्य महोत्सव झाबुआ ज़िलें के कल्याणपुरा में सम्पन्न हुआ। जिन शासन गौरव जैनाचार्य पूज्य श्री उमेशमुनिजी म.सा. अणु के अंतेवासी शिष्य पूज्य श्री धर्मदासगण के नायक महान साधक बुद्धपुत्र प्रवर्तक श्री जिनेंद्रमुनिजी ने नवदीक्षित पूज्य श्री ललितमुनिजी को बड़ी दीक्षा विधि सम्पन्न करवाते हुए छः जीव निकाय के भेद का विस्तृत ज्ञान देकर उनकी यातना के उपाय बताते हुए 5 महाव्रतों के प्रत्याख्यान ग्रहण करवाये। प्रवर्तक श्री ने कथानक के माध्यम से 4 प्रकार के साधक बताते हुए कहा कि जैसे 4 बहुओं को 5-5 शाल के दाने दिए गए जिनमें से पहली बहु ने उन्हें फैक दिए, दूसरी बहु ने प्रसाद समझ खा लिए तीसरी बहु ने सम्भाल कर रख दिये व चौथी बहु ने उन्हें बो दिए इसी तरह साधकों को भी संयम लेने के बाद 5 महाव्रतों को ग्रहण करवाया जाता है इसमें पहले प्रकार के साधक मन की परिणाम धारा बिगड़ने पर उन्हें त्याग देते है, दूसरे प्रकार के साधक संयम का मतलब अच्छा खाना-पीना गोचरी आदि समझ लेते है, तीसरे प्रकार के साधक उसे बराबर पालते है जबकी चौथे प्रकार के साधक उन महाव्रतों को निर्मल पालने के साथ उनमें वृद्वि करते हुए अपना हित साध लेते है ये चौथे प्रकार के साधक आचार्य आदि होते है जो स्वयं महाव्रतों को पालते है व अन्य साधकों के पालन में सहयोगी बनते है। इस प्रकार ललितमुनिजी भी महाव्रतों को निर्मल पालन करते हुए उनमें वृद्वि करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।

ललितमुनिजी के गुरु अतिशयमुनिजी की हित शिक्षा बड़ी दीक्षा समारोह में उपस्थित धर्मसभा में पूज्य श्री अतिशयमुनिजी ने कहा कि भरत व ऐरावत क्षेत्र में पहले व अंतिम तीर्थंकर भगवान के समय दो प्रकार के चारित्र रहते है जिनमें से आज ललितमुनिजी को दूसरा छेदोपस्थापनिय चारित्र ग्रहण करवाया गया। सामयिक चारित्र व छेदोपस्थापनिय चारित्र में भेद बताते हुए पूज्य श्री ने कहा कि पहले ललितमुनिजी के केवल 18 पाप के ही त्याग थे लेकिन आज से उन्हें 5 महाव्रतों का आरोपण हो जाने से वे महाव्रतधारी मुनि बन गए। वास्तव में यह कंटीले मार्ग से हाइवे मार्ग पर आने जैसा है लेकिन संसारी जीव कंटीले मार्ग का कष्ट उठाकर भी हाइवे पर आना नही चाहता परन्तु दुर्लभता से कोई आत्मा इस पर चलने को तैयार होती है ऐसे में उन्हें एक योद्धा की तरह पूर्ण सावधानी रखना चाहिए। पूज्यश्री ने योद्धा के उदाहरण से नवदीक्षित को हित शिक्षा देते हुए कहा कि जैसे योद्धा युद्ध की तैयारी करता है, योजना बनाता है व अपने शत्रु पर नजर रखता है वैसे ही संयम रण में भी मोह शत्रु आक्रमण करेगा ही परन्तु यदि हमारी तैयारी है तो हम उसे परास्त कर सकते है। पूज्य श्री ने कहा अप्रमत्त भावों से क्षमा, विनय, सरलता व संतोष रूपी चार गुणों के विकास से कर्म शत्रु को परास्त किया जा सकता है, अपने पुण्य के फल से हमें ऐसे अप्रमत्त साधक गुरूदेव पूज्य श्री उमेशमुनिजी को पाया है इसलिए दुर्लभता से मिले संयम का मोल पहचान कर उन्हें आत्म लक्ष्य में रखकर उनके जैसी अप्रमत्त साधना के प्रयास करना है जिससे हमारा लक्ष्य भी शीघ्र प्राप्त हो सके। इस अवसर पर संयम प्रभाविक महासती संयमप्रभाजी आदि सतियों ने पूज्यश्री ललितमुनिजी के महाव्रतों के आरोपण पर महाव्रतों को गुरुदेव से ग्रहण किया सुखकार - सुपालु इन महाव्रतों को होउ भव से पार आदि छंद से नूतन दीक्षित के भाव को बढ़ाया। इस अवसर पर पूज्या महासती का दीक्षा दिवस होने से सभी संघजनों ने उन्हें संयमी जीवन की शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कल्याणपुरा श्रीसंघ का आत्मीय सत्कार पूज्य श्री धर्मदास गण के मीडिया प्रभारी पवन नाहर ने बताया कि वनांचल में कल्याणपुरा श्रीसंघ की गुरुभगवंतों के प्रति गुरुभक्ति जग जाहिर है, यही कारण है कि गुरुभगवंतों का स्नेह आशीर्वाद व वात्सल्य भाव भी संघजनों पर सदैव बरसता रहता है, ऐसे में अन्य संघों की विनन्ति होने के बावजूद बड़ी दीक्षा का लाभ कल्याणपुरा श्रीसंघ को मिला। सकल श्रीसंघ, महिला मंडल व नवयुवक मंडल ने संघ अध्यक्ष सुनिल धोका के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के डूंगर, मालवा, निमाड़, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र आदि राज्यों से आने वालें गुरुभक्तों के आत्मीय स्वागत में कोई कसर नही छोड़ी। प्रात: नवकारसी से लेकर धर्मसभा स्थल व भोजनशाला में तपस्वियों के लिए बैठक व्यवस्था अन्य गुरुभक्तों के लिए उचित व्यवस्था की गई। आत्मीय सत्कार का लाभ अनिल कुमार शांतिलाल श्रीमाल परिवार ने लिया वही अरुण छाजेड़ ने धर्मसभा का सञ्चालन किया।

इनके रहने से धर्मसभा का गौरव बड़ा चतुर्विद धर्मसभा में अखिल भारतीय पूज्य श्री धमर्दास गण परिषद के अध्यक्ष व पूज्य श्री ललितमुनिजी के सांसारिक बड़े भ्राता भरत भंसाली, महामंत्री शैलेश पीपाड़ा, गण संरक्षक चंद्रप्रकाश बोकड़िया, स्वाध्यायी मंगलेश श्रीश्रीमाल, अतिषयमुनिजी के सांसारिक वीर पिता दिलीप गौलेछा, यशस्वी महासती के सांसारिक वीर पिता मनीष शाहजी, झाबुआ संघ अध्यक्ष प्रदीप रुनवाल, पूर्वेश कटारिया, कुशलगढ़ संघ के वरिष्ठ प्रकाशचंद्र नाहटा, लिमड़ी संघ अध्यक्ष राजू भाई व बाबूलाल कर्णावट, बड़ौदा संघ के सुनील जैन, बदनावर संघ अध्यक्ष सुरेंद्र मूणत, वर्धमान संघवी, देवेंद्र बोकड़िया, उमरावमल चौपड़ा, युवा संगठन पूर्व अध्यक्ष प्रावीण जैन, रायपुरिया संघ के अनिल मुथा, थांदला युवा मंडल अध्यक्ष रवि लोढ़ा, गण के मीडिया प्रभारी पवन नाहर, ललितमुनिजी के सांसारिक वीर माता तारा भंसाली, वीर पत्नी संध्या भंसाली, वीर भाई अनिल भंसाली, वीर बेटा प्रांजल भंसाली सहित भंसाली परिवार व ललितमुनिजी के सांसारिक मित्रगण व सैकड़ों गुरुभक्तों ने बड़ी दीक्षा का साक्षी बन गुरुभगवंतों से जिनवाणी का रसपान करते हुए मांगलिक श्रवण की।

विधायक ने किया व्योम का स्वागत

उज्जैन खाचरोद समरथ सेन राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल चैल में चयनित बालक व्योम, पिता नंदकिशोर पाटीदार, चयन हुआ हैं जिसके बाद क्षेत्र के विधायक डॉ.तेजबहादुरसिंह चौहान ओर पूर्व विधायक लालसिंह राणावत ने गांव लसुड़िया पहुंचकर ओर व्योम का स्वागत करते है बालक व्योम ओर परीजनो को शुभकामना ओर बधाई दी !

जल गंगा संवर्धन ग्राम खरसोडा मैं आयोजित शपथ दिलाई

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम खरसोड़ा में जल संगोष्ठी आयोजित कर जल शपथ दिलाई गई

धार

पक्षियों के लिए मिट्टी के सकोरे वितरण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

धार। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् विकासखंड तिरला के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मंगलवार को ग्राम खरसोड़ा में एक महत्वपूर्ण जल संगोष्ठी आयोजित कर जल संरक्षण पर शपथ लेकर जल बचाने का संदेश देते हुए जल संगोष्ठी में राज्य शासन द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया और जल का महत्व बताया। तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए नि:शुल्क मिट्टी के सकोरे वितरण का आयोजित भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस लाईन धार से रक्षित निरीक्षक श्री पुरूषोत्तम बिश्नोई,जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, ब्लॉक समन्वयक रजनी यादव,नवांकुर चयनित समिति के अध्यक्ष विकास शर्मा उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि आरआई बिश्नोई ने जल संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि जल आने वाले समय कितना महत्वपूर्ण है और उसके बिना जीवन असंभव है जल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पानी रोकने के उपचार करने हेतु बात रखी गई। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जल कितना महत्वपूर्ण है उस पर अपनी बात कही गई एवं बारिश के पानी को रोकने का तरीका और दैनिक जीवन में पानी के उपयोगिता और बचाव के लिए उपस्थित जनों को बताया गया। इस दौरान जल संरक्षण की शपथ दिलवाई गई साथ ही उनके द्वारा जीव जंतुओं के साथ अपनत्व का व्यवहार करने की भी शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में मेंटर विष्णु पाटीदार, सूरज शर्मा , निर्भयसिंह डाबी, मनीष कामदार ,विशाल ठाकुर,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मनोरमा शर्मा, दीपिका भूरिया,प्रीति डावर,आशा हटीला,बसंताबाई के साथ ही अन्य ग्रामीण महिलाए भी उपस्थित रही।

चोरी की वारदातों पर पुलिस को मिल रही सफलताएं

पिकअप वाहन का कांच तोड़कर दो लाख चालीस हजार रुपये नगद चुराने वाला आरोपी को कसरावद पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपियों ने पूछताछ मे काबुली 2 चोरी की वारदातें

खरगोन राजेश सुल्ताने 8 जनवरी को फरियादी निवासी माकड़खेड़ा ने अपने ताले लगे सुने मकान के अंदर से ताला तोड़कर एक एलसीडी टीवी व नगदी 15,000/- रुपये की अज्ञात बदमाश व्यक्ति चोरी कर ले जाने की सूचना दी थी । प्राप्त सूचना पर थाना कसरावद पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था ।

परिणामस्वरूप पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, एक व्यक्ति लाल रंग की मोटर सायकल पर कसरावद तरफ आ रहा है जो साद्ड़बन का रहने वाला है व जिसका उक्त चोरी मे हाथ हो सकता है । मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम को मुखबिर की सूचना से अवगत करवा कर रवाना किया गया । थोड़ी देर के बाद पुलिस टीम को मुखबिर के बताए हुलिये का व्यक्ति आता दिखाई दिया जिसे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकड़ा पकड़ मे आए व्यक्ति से उसका नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम संजय पिता गुड्डु उर्फ गुडिया ओसवाल उम्र 26 साल निवासी ग्राम साद्ड़वन का होना बताया जिसके पास मिली एलसीडी के बारे मे पूछने पर उसने कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया । संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने संजय से बारीकी व मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की जिसमे संजय ने अपने साथीयो के साथ मिलकर माकड़खेड़ा के मकान से एलसीडी व नगदी 15,000 रूपये चोरी करना स्वीकार किया । संजय से पुलिस टीम ने अन्य चोरियों के बारे मे बारे मे सघनता से पूछने पर उसने अपने साथीयो के साथ मिलकर सक्षम ढाबा के सामने खड़ी पिकअप वाहन का कांच तोड़कर 2,40,000 रूपये चुराने की वारदात करना भी स्वीकार किया जिसे पुलिस रिकार्ड मे चेक करने पर थाना कसरावद पर अपराध क्रमांक 132/25 धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबद्ध होकर विवेचना मे पाया गया जिसमे फरियादी किसान जो धमनोद मंडी मे चने बेच कर वापस आ रहा था तब अज्ञात बदमाशों के द्वारा सक्षम ढाबा के सामने खड़ी पिकअप वाहन का कांच तोड़कर नगदी 2,40,000 रूपये चुरा लिए थे । पुलिस टीम ने आरोपी के कब्जे से अपराध क्रमांक 132/25 धारा 303(2) बीएनएस मे कुल 2,35,000/- रुपये नगदी, घटना मे प्रयुक्त मोटरसाइकल कीमती लगभग 1,00,000/- रुपये व अपराध क्रमांक 05/25 धारा 305 (ए), 331(1) बीएनएस मे 1,000/- रुपये नगदी व एलसीडी कीमती लगभग 10,000/- रुपये को नियमानुसार विधिवत जप्त कर आरोपी को न्यायालय पेश किया गया है ।

अल्लू अर्जुन ने की आमिर खान से मुलाकात, क्या बॉलीवुड में धमाल मचाएंगे साउथ सुपरस्टार?

साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान की हाल ही में मुंबई में हुई मुलाकात ने फैंस और फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। हाल ही में अल्लू अर्जुन चुपके से आमिर के घर पहुंचे। दोनों की एक तस्वीर ऑनलाइन वायरल होने के बाद से ही लोग इस मुलाकात के पीछे की वजह जानने को बेताब हैं। क्या यह एक बड़े पैन-इंडिया प्रोजेक्ट की शुरुआत है? या फिर अल्लू अर्जुन आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं? आइए जानते हैं इस मुलाकात के पीछे की कहानी और इससे जुड़ी चर्चाएं।

वायरल तस्वीर पर लग रहीं अटकलें अल्लू अर्जुन और आमिर खान की मुलाकात की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। यह पहली बार नहीं है जब दोनों के एक साथ काम करने को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। इससे पहले साल 2023 में एक शादी के रिसेप्शन में दोनों को गर्मजोशी से बातचीत करते देखा गया था, जिसके बाद से ही फैंस एक संयुक्त प्रोजेक्ट की उम्मीद लगाए बैठे हैं। इस बार की मुलाकात ने इन अटकलों को और हवा दी है। सूत्रों की मानें तो यह मुलाकात एक बड़े प्रोजेक्ट की नींव रख सकती है, जिसमें आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस का बड़ा रोल हो सकता है। हालांकि, दोनों पक्षों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

लंबे समय बाद वापसी कर रहे आमिर आमिर खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ जेनेलिया डिसूजा भी नजर आएंगी। यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म से वह लंबे समय के बाद अभिनय की दुनिया में वापसी करने जा रहे हैं।

इन फिल्मों में दिखेंगे अल्लू अर्जुन वहीं, अल्लू अर्जुन की बात करें तो वह अपने करियर के सुनहरे दौर में हैं। वह जल्द ही डायरेक्टर एटली के साथ अपनी अगली बड़ी फिल्म एए22×ए6 में नजर आएंगे। यह एक एक्शन से भरपूर साइंस-फिक्शन फिल्म होगी, जिसमें हॉलीवुड के वीएफएक्स एक्सपर्ट्स भी काम कर रहे हैं। इस फिल्म को ग्लोबल स्केल पर पेश करने की तैयारी है। इसके अलावा अल्लू की सुपरहिट फ्रेंचाइजी पुष्पा के तीसरे पार्ट पुष्पा 3 में भी नजर आएंगे।

मॉडलिंग से शुरुआत फिर हॉलीवुड तक भरी उड़ान, जैकी चेन की फिल्म में काम कर चुकी हैं अमायरा दस्तूर

अभिनेत्री अमायरा दस्तूर आज 07 मई को अपना जन्मदिन मना रही हैं। अमायरा उन सितारों में शामिल हैं, जिन्होंने बिना किसी गॉड फादर के इंडस्ट्री में जगह बनाई। वे फिल्मी बैकग्राउंड से ताल्लुक नहीं रखती हैं। मगर, काम उन्होंने साउथ से लेकर बॉलीवुड और हॉलीवुड तक किया है। अमायरा दस्तूर ने मॉडलिंग के अपने करियर की शुरुआत की थी।

16 की उम्र में शुरू कर दिया करियर अमायरा का जन्म 07 मई 1993 को मुंबई में हुआ। उन्होंने 16 साल की उम्र से ग्लैमर वर्ल्ड में काम शुरू कर दिया। अमायरा ने धीरूभाई इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की। स्कूली दिनों में ही उन्होंने मॉडलिंग शुरू कर दी। मॉडलिंग में नाम कमाने के बाद अमायरा ने एक्टिंग में कदम रखने का सपना देखना शुरू कर दिया था।

जैकी चेन की फिल्म का बनी हिस्सा साल 2013 में अमायरा ने इश्क फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, अमायरा की डेब्यू फिल्म फ्लॉप रही थी। इस फिल्म में अमायरा ने प्रतीक बब्बर के साथ काम किया है। डेब्यू फिल्म ही बेअसर रहने के बाद अमायरा ने और मेहनत और लगन से काम किया। लेकिन अमायरा की लगन के कारण ही उन्हें 2017 में अमायरा ने जैकी चेन की फिल्म कुंग फू योगामिली।

ओटीटी पर भी दर्ज कराई उपस्थिति अमायरा बॉलीवुड में 25 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं, इसके साथ ही वे साउथ फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने तमिल और तेलुगु फिल्मों के अलावा पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है। अमायरा ने मिस्टर एक्स में एक्टर इमरान हाशमी के साथ काम किया। अमायरा ओटीटी की दुनिया में भी उपस्थिति दर्ज करा चुकी हैं। वे तांडव और मुंबई मेरी जान जैसे शो का हिस्सा रही हैं।

गुलाम-राख की शूटिंग के दौरान आमिर खान ने एक हफ्ते तक किया अजीब काम, बोले- वही लुक बनाए रखने के...

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्निस्ट आमिर खान अपनी हर एक फिल्म के लिए कड़ी मेहनत करते हैं यही वजह है कि वह अपनी फिल्मों के सींस को रियल दिखाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। ऐसा ही कुछ उन्होंने अपनी फिल्म गुलाम और राख को लेकर किया था। आइए जानते हैं वो अजीब किस्सा जब आमिर ने अपनी इन दोनों फिल्मों के लिए किया था, जिसे जानकर उनके फैंस को उन पर और भी गर्व महसूस होगा कि आखिरकार एक अभिनेता अपनी फिल्म के लिए किस हद तक जा सकता है।

आमिर खान का अजीब किस्सा

न्यूज 18 डॉट कॉम के अनुसार, आमिर खान ने हाल ही में बताया कि उन्होंने अपनी फिल्म राख और गुलाम की शूटिंग के दौरान 12 दिन तक नहाना छोड़ दिया था, ताकि उनके किरदार वास्तविक लगें। राख में उनका किरदार सड़क पर रहने वाला था, इसलिए उन्होंने नहाने से परहेज किया, ताकि वह उसी तरह दिखें और महसूस करें। गुलाम के क्लाइमेक्स में एक एक्शन सीन था, जिसमें आमिर को चोटिल दिखना था। अगर वह रोज नहाते, तो उनका लुक ताजा हो जाता, जो किरदार के लिए ठीक नहीं था। इसलिए, उन्होंने एक हफ्ते तक नहाना बंद रखा, ताकि सीन में निरंतरता बनी रहे।

फिल्म राख और गुलाम

साल 1989 में रिलीज हुई फिल्म राख एक एक्शन-क्राइम फिल्म है, जिसमें आमिर के साथ सुप्रिया पाठक और पंकज कपूर ने अहम भूमिका निभाई थी। वहीं फिल्म गुलाम एक एक्शन फिल्म है, जिसमें आमिर और रानी मुखर्जी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म गुलाम सुपरहिट रही थी, साथ ही इस फिल्म के गाने भी काफी पसंद किए गए थे।

आमिर खान का वर्कफ्रंट

आमिर खान अब जल्द ही अपनी नई फिल्म सितारे जमीन पर के साथ वापसी कर रहे हैं, जो उनकी 2007 की फिल्म तारे जमीन पर का सीक्वल है। इस फिल्म में उनके साथ जेनेलिया देशमुख नजर आएंगी और इसे आमिर ने खुद प्रोड्यूस किया है। हाल ही में फिल्म की रिलीज डेट और इसकी स्टार कास्ट से भी पर्दा उठाया जा चुका है। फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसकी रिलीज की घोषणा के साथ कैप्शन में आमिर प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, प्यार, हंसी और खुशी का जश्न मनाती एक फिल्म। फिल्म के पोस्टर के साथ ही आमिर खान के साथ 10 नए चेहरे नजर आए। इन 10 एक्टर्स में अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष

विराट कोहली मामले पर पैपराजी ने राहुल वैद्य को घेरा, बोले- इतना टाइम है क्या ?

बिग बॉस 14 के प्रतियोगी और सिंगर राहुल वैद्य ने भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली पर विवादास्पद टिप्पणी करते हुए उनके फैंस को उनसे भी बड़ा जोकर बताया था। इस मामले पर पैपराजी ने उन्हें घेर लिया और सवाल जवाब किया। इस पर एक पैपराजी ने कह दी ऐसी बात कि सुन चौंक जाएंगे आप।

पैपराजियों ने राहुल वैद्य को घेरा हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें सिंगर राहुल वैद्य मुंबई एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान कुछ पैपराजी ने उनसे विराट कोहली से संबंधित किए गए पोस्ट के बारे में सवाल किया। एक पैपराजी ने राहुल से पूछा, आप पागल कैसे कह सकते हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'मैंने पागल नहीं जोकर कहा था।' इस पर पैपराजी ने दोबारा सवाल पूछा कि आप जोकर भी कैसे कह सकते हैं। तो उन्होंने जवाब में कहा, इस तरह की गालियां मुझे और मेरे परिवार को दी गई हैं। इस जवाब में पैपरजी ने पूछा कि क्या विराट ने गाली दी, तो उन्होंने कहा नहीं विराट के फैंस ने।

विराट को इतना टाइम नहीं कि आपको ब्लॉक करें आगे बातचीत के दौरान एक पैपराजी ने कहा, 'आप विराट कोहली को गलत बोलोगे तो फैंस तो गाली देंगे ही।' इसके जवाब में राहुल ने कहा, 'मैंने उन्हें कुछ भी गलत नहीं कहा। मैं क्रिकेट का सबसे बड़ा फैन हूं।' आगे उन्होंने कहा कि विराट ने उन्हें ब्लॉक क्यों किया उसका जवाब तो मिले मुझे? फिर एक पैराजी ने उनसे कहा कि विराट के पास इतना समय कहां है, जो उन्हें ब्लॉक करें। इसके जवाब में उन्होंने कहा तो ठीक है।

क्या है पूरा मामला? बीते दिनों सिंगर राहुल वैद्य ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाई थी, जिसमें उन्होंने विराट के फैंस को विराट से भी बड़ा जोकर बताया था। साथ ही राहुल ने एक और स्टोरी लगाते हुए बताया कि विराट के फैंस उन्हें और उनके परिवार को गाली दे रहे हैं। हालांकी, आपको बताते चलें कि पिछले दिनों ने गायक ने विराट पर उन्हें इंस्टाग्राम से ब्लॉक करने का आरोप लगयाा था। इसी के बाद से यह मामला बढ़ा है।

स्पोर्ट्स

आईपीएल 2025... गुजरात ने आखिरी गेंद पर जीता मैच, मुंबई को डकवर्थ लुईस से 3 विकेट से हराया

मुंबई, । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 56वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) ने डकवर्थ लुइस (डीएलएस) नियम के तहत आखिरी गेंद पर मैच अपने नाम किया। इस रोचक मुकाबले में गुजरात ने मुंबई इंडियंस को 3 विकेट से मात दी।

मुंबई की ओर से मिले 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही और साई सुदर्शन मात्र पांच रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद जोश बटलर और कप्तान शुभमन गिल ने पारी को संवारा और टीम के स्कोर पर 78 रन तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर बटलर 30 रन बनाकर आउट हो गए। तब मैदान पर उतरे शरफेन रदरफोर्ड ने धमाकेदार अंदाज में कुछ बेहतरीन शॉट लगाए और बारिश की बाधा से पहले जरूरी रन रेट को प्राप्त कर लिया। बारिश शुरू हुई तो गुजरात को 14 ओवर में 99 रन बनाने आवश्यक थे, ऐसे में रदरफोर्ड के धमाके की वजह से 8 रन ज्यादा बने।

बारिश की वजह से कुछ देर खेल रुकने के बाद जब शुरू हुआ तो मुंबई ने अपने दोनों मुख्य गेंदबाजों को मोर्चे पर उतारा। जिसका टीम को फायदा भी हुआ। और अगले चार ओवर में गुजरात ने 35 रन बनाए और चार विकेट गंवाए। 18 ओवर में 132 के स्कोर पर बारिश ने फिर बाधा डाली और इस बार डीएलएस नियम के तहत गुजरात जरूरी स्कोर से पीछे थी। करीब एक घंटे बाद जब मैच शुरू हुआ तो गुजरात को संशोधित लक्ष्य के तौर पर 6 गेंद पर 15 रन बनाने थे। जिसे तेवतिया और गेराल्ड कोट्जे ने दीपक चहर की बालिंग पर बना दिया। हालांकि इस दौरान कोट्जे (12 रन) आउट जरूर हो गए। तेवतिया 11 रन बनाकर नाबाद रहे। मैच में कप्तान गिल ने 43 रन की पारी खेली।मुंबई की ओर से ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह और अश्विनी कुमार को दो-दो सफलता मिली, जबकि दीपक चहर के खाते में एक विकेट रहा।इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाए। मुंबई के लिए विल जैक्स ने 53 रन, सूर्यकुमार यादव ने 35 रन और आखिर कार्बिन बोश ने 27 रन बनाए।गुजराते के लिए साई किशोर को दो सफलता मिली। जबकि मो. सिराज, अरशद खान, प्रसिद्ध कृष्णा, राशिद खान और गेरार्ड कोट्जे को एक-एक विकेट मिला।

यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में इंटर मिलान की धमाकेदार एंट्री, बार्सिलोना को 4-3 से हराया

फाटेसी ने 99वें मिनट में किया कमाल, इंटर 7-6 के एग्रीगेट स्कोर से फाइनल में पहुंचा

मिलान। इंटर मिलान ने मंगलवार रात को यूईएफए चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल में बार्सिलोना को एक्स्ट्रा टाइम तक चले रोमांचक मुकाबले में 4-3 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। दो लेग्स के कुल स्कोर में इंटर ने 7-6 से जीत दर्ज की। मिलान की बरसात में खेले गए इस मुकाबले में इटली के मिडफील्डर डेविडे फ्राटेसी ने 99वें मिनट में विजयी गोल दागा। उनका यह सातवां गोल सीज़न का सबसे अहम साबित हुआ और सं सिरो स्टेडियम जश्न में डूब गया।

बार्सिलोना की शानदार वापसी पर लगा ब्रेक बार्सिलोना ने पहले हाफ में 2-0 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की। एरिक गार्सिया और डानी ओल्मो ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। फिर 88वें मिनट में राफिन्हा ने गोल कर बार्सिलोना को 3-2 की बढ़त दिला दी। लेकिन, इंजरी टाइम में फ्रांसेस्को एचर्बी ने डेनजेल डमफ्रिस की क्रॉस पर गोल कर मुकाबले को एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा दिया।

गोलकीपर सोमर ने दिखाई क्लास इंटर के स्विस गोलकीपर यान सोमर ने कई अहम मौके पर शानदार बचाव किए। उन्होंने एरिक गार्सिया और लमीन यमाल के प्रयासों को नाकाम कर मैच में इंटर की उम्मीदों को ज़िंदा रखा। अब इंटर मिलान दो साल में दूसरी बार चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचा है और एक बार फिर यूरोप का ताज पहनने की दहलीज़ पर खड़ा है।

निहाल करेंगे एशियाई महाद्वीपीय शतरंज में भारत की अगुवाई

भारतीय ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन यहां एशियाई महाद्वीपीय शतरंज चैंपियनशिप में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। नौ दौर की इस प्रतियोगिता में शीर्ष वरीयता प्राप्त और फॉर्म में चल रहे सरीन खिताब के साथ-साथ इस साल के अंत में अक्तूबर में नई दिल्ली में होने वाले अगले विश्व शतरंज कप में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। सबसे कड़ी एशियाई चैंपियनशिप में 18 भारतीय ग्रैंडमास्टर चुनौती पेश करेंगे जिसमें से शीर्ष 10 खिलाड़ी अगले विश्व शतरंज कप के लिए क्वालिफाई करेंगे।

हाल ही में ताशकंद ओपन जीतने वाले सरीन अब भारत के अगले 2700 ईएलओ रेटिंग खिलाड़ी बनने के करीब हैं। वह इस प्रतिष्ठित रेटिंग से सिर्फ सात अंक पीछे हैं। हालांकि ईरान के अमीन तबातबाई और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकूबोव जैसे कई एशियाई दिग्गजों की मौजूदगी में सरीन की राह आसान नहीं होगी। इन दोनों को क्रमशः दूसरी और तीसरी वरीयता मिली है। चौथी वरीयता प्राप्त मुरली कार्तिकेयन पर भी सबकी निगाहें रहेंगी जबकि लियोन ल्यूक मेंडोंका और मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन वी प्रणव भी पोडियम पर जगह बनाने के दावेदार हैं। सूर्य शेखर गांगुली और पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन अभिजीत गुप्ता की चुनौती को नकारा नहीं जा सकता।

महिला चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई अंतरराष्ट्रीय मास्टर और शतरंज ओलंपियाड स्वर्ण पदक विजेता वंतिका अग्रवाल करेंगी। अन्य भारतीय महिला खिलाड़ियों में पीवी नंधिधा, पद्मिनी राउत और रक्षिता रवि भी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। यह पहली बार होगा जब रूस के खिलाड़ी फिडे (शतरंज की वैश्विक संचालन संस्था) के झंडे तले खेलते हुए एशियाई प्रतियोगिता का हिस्सा होंगे।

इंटर मिलान के खिलाफ हार के बाद भड़के बार्सिलोना कोच हैंसी फ्लिक, रेफरी के फैसलों पर उठाए सवाल

मिलान। सैन सिरो में इंटर मिलान से 4-3 की हार के बाद बार्सिलोना के चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। बार्सिलोना के मैनेजर हैंसी फ्लिक ने मैच के दौरान रेफरी के कई फैसलों पर नाराज़गी जाहिर की।

बार्सिलोना ने दो गोल से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और 87वें मिनट में राफिन्हा के गोल से 3-2 की बढ़त हासिल कर ली थी। लेकिन इंजुरी टाइम में इंटर के फ्रांसेस्को एचेर्बी ने गोल कर मैच को एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा दिया। फिर घरेलू टीम के सब्स्टीट्यूट डेविडे फ्रत्तेसी ने निर्णायक गोल कर इंटर को 7-6 के कुल स्कोर के साथ फाइनल में पहुंचा दिया।

रेफरी मार्किनियाक के फैसलों पर उठे सवाल हैंसी फ्लिक ने पोलैंड के रेफरी सिज़मोन मार्किनियाक के फैसलों की आलोचना करते हुए कहा, हर 50-50 फैसला इंटर के पक्ष में गया। उन्होंने इंटर को दिए गए पेनल्टी पर आपत्ति जताई, जो पाओ कुबारसी के लुटारो मार्टिनेज पर टैकल के लिए वीएआर समीक्षा के बाद दी गई थी। वहीं, बार्सिलोना को मिले एक पेनल्टी को वीएआर ने यह कहते हुए बाहर का फाउल करार दिया कि मिखितारियन का यामल पर फाउल बॉक्स के बाहर हुआ था। बार्सिलोना के खिलाड़ियों और स्टाफ ने एक संभावित हैंडबॉल और डुमफ्रिज द्वारा गेरार्ड मार्टिन पर फाउल को लेकर भी आपत्ति जताई, जो इंटर के बराबरी वाले गोल के पहले हुआ।

रेफरी से कहा जो कहना था, लेकिन यहां नहीं बताऊंगा - फ्लिक मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में फ्लिक ने कहा, मैं रेफरी के बारे में ज्यादा नहीं बोलना चाहता, लेकिन हर फैसला उनके पक्ष में गया। मैं अपनी टीम से निराश नहीं हूं, उन्होंने सब कुछ झोंक दिया। उन्होंने आगे कहा, मैंने रेफरी को जो कहना था, कह दिया है, लेकिन मैं उसे यहां नहीं दोहराऊंगा।

अब लक्ष्य है ला लीगा, रियल से होगा बड़ा मुकाबला बार्सिलोना अब कोपा डेल रे जीतने के बाद ट्रेबल की उम्मीद खो चुका है। टीम अब ला लीगा पर फोकस करेगी, जहां वह टॉप पर है और रविवार को रियल मैड्रिड के खिलाफ 'एल क्लासिको' खेलेगी। बार्सिलोना चार अंकों की बढ़त के साथ आगे है और पिछले तीन क्लासिको मुकाबले जीत चुका है।

फ्लिक ने कहा, हम इससे सीख लेंगे। हम आगे बढ़ना चाहते हैं, और हमारे पास अब ज्यादा समय नहीं है, लेकिन अगला मैच जल्द ही है। हर खिलाड़ी को खुद पर गर्व होना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में सुरक्षा तैयारियों की जांच के लिए मॉक ड्रिल शुरू, सीमा सुरक्षा पर विशेष जोर

कोलकाता । पश्चिम बंगाल सरकार ने आज से पूरे राज्य में सुरक्षा तैयारियों की जांच के लिए सात दिवसीय मॉक ड्रिल की शुरुआत की है। यह अभ्यास हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के मद्देनजर किया जा रहा है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोलकाता में 90 से अधिक और जिलों में 25-30 सायरन लगाए गए हैं। इन सभी की कार्यक्षमता का परीक्षण किया जाएगा। कोलकाता के महाजाति सदन, नागरिक सुरक्षा भवन, कलकत्ता हाई कोर्ट, लालबाजार स्थित पुलिस मुख्यालय सहित कई सरकारी भवनों की छतों पर सायरन लगाए गए हैं। इन सायरनों को मॉक ड्रिल के दौरान सक्रिय किया जाएगा।अधिकारी ने कहा कि इस अभ्यास में सामान्य जनता को शामिल नहीं किया गया है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े सभी लोगों की भागीदारी अनिवार्य है ताकि आपातकालीन स्थितियों में आम जनता को सुरक्षित रखा जा सके। इसके तहत राज्यभर में 55 हजार नागरिक स्वयंसेवकों और 7,200 आपदा मित्रों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने बताया कि जरूरत पड़ने पर एनसीसी, स्काउट्स और गाइड्स की मदद से भी जागरूकता फैलाई जा सकती है। इसके अलावा नगरपालिका, पुलिस, अग्निशमन विभाग और पंचायतों को भी सतर्क किया गया है। सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों को जानकारी दी जा रही है। बंकर की व्यवस्था भी तैयार, मेट्रो और मॉल के बेसमेंट होंगे इस्तेमालकोलकाता में मेट्रो रेल के भूमिगत हिस्सों को इनबिल्ट बंकर के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही, विभिन्न शॉपिंग मॉल और बहुमंज़िला इमारतों की बेसमेंट पार्किंग तथा रायटर्स बिल्डिंग के सामने स्थित भूमिगत पार्किंग को भी बंकर के रूप में चिन्हित किया गया है। जिलों में नहरों के किनारे टिन की छत लगाकर अस्थायी बंकर बनाए जा सकते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य को दिए निर्देश, सीमाओं पर विशेष सतर्कताकेंद्र सरकार ने राज्य के 23 जिलों में कुल 31 मॉक ड्रिल आयोजित करने की घोषणा की है। मंगलवार को केंद्रीय गृह सचिव और राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत, नागरिक सुरक्षा महानिदेशक और अन्य अधिकारियों के बीच हुई एक वर्चुअल बैठक में बताया गया कि बंगाल की सीमा बांग्लादेश, नेपाल और भूटान से लगती है, इसलिए सीमा सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य ने केंद्र को बताया है कि उसके पास 62 सैटेलाइट फोन मौजूद हैं। गृह मंत्रालय के निर्देश के अनुसार मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरनों का संचालन, नागरिकों को आत्म-सुरक्षा की ट्रेनिंग, बंकरों और खाइयों की सफाई, आपात निकासी योजनाओं की समीक्षा और अभ्यास, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को छिपाने की व्यवस्था, और बिजली कटौती की योजना का परीक्षण शामिल है। वायुसेना से संपर्क प्रणाली की भी होगी जांचड्रिल के दौरान भारतीय वायुसेना के साथ हॉटलाइन और रेडियो संपर्क की जांच, कंट्रोल रूम और शैडो कंट्रोल रूम की कार्यक्षमता का परीक्षण भी किया जाएगा ताकि किसी भी आपातकाल में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

भारत के हमले का पाकिस्तान को जोरदार तरीके से जवाब देने का पूरा अधिकार : शहबाज शरीफ

पाकिस्तान ने महिलाओं और बच्चों सहित कई नागरिकों की मौत होने की बात स्वीकारी

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर को अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतर-राय संबंधों के स्थापित मानदंडों का घोर उल्लंघन बताया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने माना है कि भारत के आक्रामक हमले में महिलाओं और बचों सहित कई नागरिकों की मौत होने की बात स्वीकारी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि भारत के हमले का पाकिस्तान को जोरदार तरीके से जवाब देने का पूरा अधिकार है।

भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि भारतीय वायुसेना ने भारतीय हवाई क्षेत्र में रहते हुए बिना उकसावे के और खुलेआम युद्ध की कार्रवाई करते हुए मुरीदके और बहावलपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार और कोटली और मुजफ्फराबाद, जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पार नागरिक आबादी को निशाना बनाते हुए स्टैंड ऑफ हथियारों का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन किया है। भारत के आक्रामक कृत्य के परिणामस्वरूप महिलाओं और बचों सहित कई नागरिक शहीद हुए हैं। इस आक्रामक कृत्य ने वाणियिक हवाई यातायात को भी गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि हम भारत की कायरतापूर्ण कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतर-राय संबंधों के स्थापित मानदंडों का घोर उल्लंघन है।

पहलगाम हमले के मद्देनजर भारतीय नेतृत्व ने एक बार फिर आतंकवाद के हौवे का इस्तेमाल पीड़ित होने की अपनी झूठी कहानी को आगे बढ़ाने के लिए किया है, जिससे क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। भारत की लापरवाह कार्रवाई ने दो परमाणु-सशस्त्र रायों को एक बड़े संघर्ष के करीब ला दिया है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ट्वीट किया, चालाक दुश्मन ने पाकिस्तान में पांच स्थानों पर कायरतापूर्ण हमले किए हैं। भारत के इस युद्ध के कृत्य का पाकिस्तान को जोरदार तरीके से जवाब देने का पूरा अधिकार है और जोरदार जवाब दिया जा रहा है। पूरा देश पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के साथ खड़ा है और पूरे पाकिस्तानी राष्ट्र का मनोबल और भावना उच्च है। पाकिस्तानी राष्ट्र और पाकिस्तानी सशस्त्र बल जानते हैं कि दुश्मन से कैसे निपटना है। हम दुश्मन को उनके नापाक इरादों में कभी सफल नहीं होने देंगे।

पाकिस्तान के अंदर भारतीय हमलों पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी पहली टिप्पणी में कहा, यह शर्मनाक है। हमने ओवल के दरवाज़े से अंदर जाते वक्त इसके बारे में सुना। मुझे लगता है कि लोगों को अतीत के आधार पर पता था कि कुछ होने वाला है। वे लंबे समय से लड़ रहे हैं। अगर आप इसके बारे में सोचें तो वे कई दशकों और सदियों से लड़ रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि यह बहुत जल्दी खत्म हो जाएगा।

पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच में पाकिस्तान के शामिल होने के साक्ष्य मिले

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के जवाब में बुधवार तड़के भारतीय सशस्त्र सेनाओं का %ऑपरेशन सिंदूर% विश्वसनीय सूचनाओं पर आधारित रहा। एयर स्ट्राइक के जरिये पाकिस्तान और पीओके में स्थित नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। भारत की प्राथमिक विदेशी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के तैयार किए गए डोजियर के आधार पर बर्बाद किए गए आतंकी शिविरों का चयन किया गया। यहीं से आतंकियों को प्रशिक्षण देकर भारत में हमले करने के लिए भेजा जा रहा था।

नेशनल मीडिया सेंटर में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भारतीय सेना और वायुसेना की ओर से विस्तृत जानकारी दी गई। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में कहा कि 22 अप्रैल को लश्कर और पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हमला किया और 25 भारतीय नागरिकों और 1 नेपाली नागरिक की हत्या कर दी। आतंकियों ने पर्यटकों को उनके परिवार के सदस्यों के सामने सिर में गोली मारी। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले की जिम्मेदारी रेजिस्टेंस फ्रंट नामक आतंकी समूह ने ली । यह समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा है। इस हमले में पाकिस्तान के तार जुड़े होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले ने पाकिस्तान के आतंकियों से संबंधों को उजागर कर दिया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री का कहना है कि आतंकियों ने सैलानियों और उनके परिवार को धमकाया गया और उस बर्बरता का संदेश देने को कहा गया। चूंकि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन फिर से फल-फूल रहा था, इसलिए हमले का मुख्य उद्देश्य उसे नुकसान पहुंचाना था। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि खुद को प्रतिरोधी मोर्चा कहने वाले एक समूह ने हमले की जिम्मेदारी ली है। यह समूह संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा का मोर्चा है। पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच में पाकिस्तान में और पाकिस्तान को भेजे गए आतंकवादियों के संचार नोट सामने आए हैं।?

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बताया कि पाकिस्तान जानबूझकर दुनिया और अंतरराष्ट्रीय मंचों, जैसे कि वित्तीय कार्रवाई कार्य बल को गुमराह करने के लिए जाना जाता है। आतंकवादी साजिद मीर मामला को मृत घोषित कर दिया गया था और फिर अंतरराष्ट्रीय दबाव के जवाब में उसे वापस जीवित किया गया, जिंदा पाया गया और गिरफ्तार किया गया, इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण है। पहलगाम में हुए हालिया हमले ने जम्मू-कश्मीर और भारत के अन्य हिस्सों में गहरी नाराजगी पैदा की है। हमलों के बाद भारत सरकार ने स्वाभाविक रूप से पाकिस्तान के साथ हमारी बातचीत से संबंधित प्रारंभिक उपायों के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की।

ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान सकते में, भारत की मिसाइलों ने आतंकी ठिकानों पर मचाई तबाही

आठ की मौत, आईएसपीआर ने की हमले की पुष्टि

इस्लामाबाद। भारत के आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान में आधीरात बाद किए गए ऑपरेशन सिंदूर से मुल्क की सेना सकते में है। सैन्य प्रवक्ता और पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया और जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने इस पर आज सुबह मुंह खोला। उन्होंने पत्रकारों को संवाददाता सम्मेलन के लिए बुलवाया। उन्होंने कहा कि पंजाब और पीओके के शहरों पर भारतीय मिसाइल हमलों में कम से कम आठ पाकिस्तानी मारे हो गए और 35 घायल हो गए। उन्होंने मारे गए व्यक्तियों को आतंकवादी मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने निशाना बनाए गए आतंकी ठिकानों को अभी आम स्थान निरूपित करने की कोशिश की।

द नेशन अखबार के अनुसार, सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान में छह जगहों पर 24 हमले किए। इनमें अधिकांश मस्जिदें है। हमलों में आसपास के आवासीय ढांचों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान के सशस्त्र बल जवाब दे रहे हैं।

पाकिस्तान के सरकारी मीडिया के अनुसार, आधी रात के कुछ ही समय बाद कोटली, बहावलपुर, मुरीदके, बाग और मुजफ्फराबाद सहित कई शहरों में तेज विस्फोट हुए। लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने इसके तुरंत बाद घोषणा की कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पंजाब और पीओके के शहरों में मिसाइल हमला किया है। उन्होंने कहा कि यह मिसाइलें भारत के हवाई क्षेत्र

के भीतर से दागी गईं। लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने कहा कि तबाही का आकलन किया जा रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ठीक आधीरात बाद पीओके के मुजफ्फराबाद के पास पहाड़ी क्षेत्र में जोरदार विस्फोटों की सूचना मिली। धमाकों के बाद पूरे शहर में बिजली गुल हो गई। इससे क्षेत्र अंधेरे में डूब गया। ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि बिना उकसावे के भारतीय वायुसेना ने अपने हवाई क्षेत्र से घातक हथियारों का उपयोग करके पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन किया है। मुरीदके और बहावलपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार और कोटली और मुजफ्फराबाद और पीओके में नियंत्रण रेखा के पार नागरिक आबादी को निशाना बनाया गया है। सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने दावा किया है कि पाकिस्तान वायुसेना के सभी जेट विमान हवा में हैं। उन्होंने औपचारिक रूप से तीन शहरों पर भारतीय मिसाइल हमलों की पुष्टि की। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ रहा है। भारत ने पहलगाम हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। इस्लामाबाद ने इसमें शामिल होने से इनकार किया। इस बीच भारतीय सेना ने एक्स पर एक पोस्ट में घोषणा की, न्याय हुआ। जय हिंद! इससे पहले की पोस्ट में लिखा, हमला करने के लिए तैयार, जीतने के लिए प्रशिक्षित। उल्लेखनीय है कि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के सबसे बड़े गढ़ पंजाब प्रांत में स्थित मरकज सुभान अल्लाह को भी तबाह किया है। यह जैश-ए-मोहम्मद बहावलपुर के परिचालन मुख्यालय के रूप में कार्य करता है। यह गढ़ 14 फरवरी, 2019 को पुलवामा हमले सहित आतंकवादी योजनाओं से जुड़ा है। पुलवामा हमले के अपराधियों को इसी शिविर में प्रशिक्षित किया गया था।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत बड़ी गिरावट के साथ हुई थी हालांकि बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने निचले स्तर से काफी हद तक रिकवरी भी की, लेकिन इसके बाद एक बार फिर बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक दोबारा गिरते चले गए। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.32 प्रतिशत और निफ्टी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, एचडीएफसी लाइफ, बजाज फाइनेंस और टाइटन कंपनी के शेयर 2.55 प्रतिशत से लेकर 0.26 प्रतिशत तक की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एशियन पेंट्स, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, सन फार्मास्युटिकल्स, एचसीएल टेक्नोलॉजी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 1.74 प्रतिशत से लेकर 1.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,398 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 705 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,693 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 23 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 692.27 अंक टूट कर 79,948.80 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स पहले 20 मिनट के कारोबार में ही उछल कर हरे निशान में 80,144.63 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिकी। थोड़ी देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 255.85 अंक की कमजोरी के साथ 80,385.22 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 146.30 अंक की गिरावट के साथ 24,233.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 24,449.60 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक दोबारा लाल निशान में 24,220 अंक तक गिर गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 80.65 अंक लुढ़क कर 24,298.95 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मौगलवार को सेंसेक्स 155.77 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 80,641.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 81.85 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,379.60 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

सर्राफा बाजार में चमका सोना चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख नजर आ रहा है। सर्राफा बाजारों में सोना आज 500 रुपये से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा होकर एक बार फिर एक लाख रुपये के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये से लेकर 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,750 रुपये से लेकर 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569